डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 131 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 19 अप्रैल 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अजमेर दरगाह में मंदिर के दावे पर सुनवाई

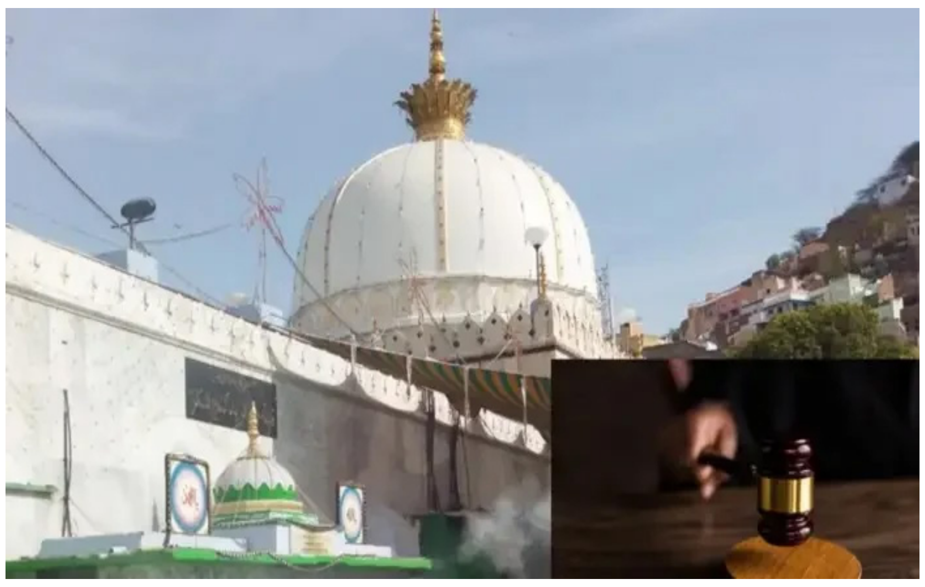

अजमेर(रॉयल पत्रिका)। अजमेर दरगाह के नीचे गर्भ गृह में शिव मंदिर के दावे को लेकर आज कोर्ट में सुनवाई होगी। पिछली सुनवाई में दरगाह कमेटी ने कोर्ट से समय मांगा था।

याचिका में दरगाह कमेटी ने कहा था- वादी की ओर से लगाई गई याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। इस पर कोर्ट ने हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता से जवाब मांगा था।

उन्होंने जवाब पेश किया था। इसके बाद दरगाह कमेटी ने समय मांगा। आज दरगाह कमेटी अपना जवाब पेश करेगी।

बता दे कि इससे पहले सुनवाई 19 अप्रैल को होनी थी। लेकिन बिजयनगर कांड को लेकर अजमेर बंद का जिला बार एसोसिएशन ने समर्थन दिया था। इस कारण सुनवाई टल गई थी।

बता दे कि हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दरगाह में मंदिर के दावे को लेकर याचिका लगाई थी। इसके बाद दरगाह कमेटी ने इस याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए कोर्ट में एप्लीकेशन लगाई थी। वहीं दूसरी तरफ अजमेर दरगाह से जुड़ी अंजुमन कमेटी ने भी हाईकोर्ट में एक याचिका लगाई है।

विष्णु गुप्ता ने दावा किया कि मेरे पास 1250 ईस्वी की लिखी किताब पृथ्वीराज विजय है। यह पूरी किताब संस्कृत में लिखी हुई है। इस किताब को भी हिंदी ट्रांसलेशन के साथ कोर्ट में पेश करेंगे। इसमें भी अजमेर की हिस्ट्री लिखी हुई है।

गुप्ता ने कहा- वर्शिप एक्ट पूजा अधिनियम कानून है। सुप्रीम कोर्ट में इस विषय पर वकील वरुण कुमार सेना ने बहस की है। वह कोर्ट में सबूत और दलीलें पेश करेंगे। पूजा अधिनियम कानून मस्जिद, मंदिर, गिरजाघर और गुरुद्वारे पर लगता है। अजमेर दरगाह वर्शिप एक्ट के दायरे में नहीं आती। यह धार्मिक स्थल है। इन्हें कानून की नजर में ऑथराइज्ड धार्मिक स्थल कहा जाता है। गुप्ता को एसपी वंदिता राणा के निर्देश पर सुरक्षा मुहैया करवाई गई।

कौन है विष्णु गप्ता?

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने सिविल कोर्ट में अजमेर दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा करते हुए याचिका लगाई थी। इसे 27 नवंबर 2024 को इस याचिका को सिविल कोर्ट ने स्वीकार कर ली थी।

मामले में अजमेर सिविल कोर्ट ने अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी अजमेर और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (ASI) को नोटिस भेजा था।

इसके बाद अंजुमन कमेटी, दरगाह दीवान, गुलाम दस्तगीर अजमेर, ए इमरान बैंगलोर और राज जैन होशियारपुर पंजाब ने अपने आप को पक्षकार बनाने की अर्जी लगाई थी।

इस मामले में 24 जनवरी तक दो सुनवाई हो चुकी है। याचिका में रिटायर्ड जज हरबिलास सारदा की 1911 में लिखी किताब अजमेर: हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का हवाला देते हुए दरगाह के निर्माण में मंदिर का मलबा होने का दावा किया गया है। साथ ही गर्भगृह और परिसर में एक जैन मंदिर होने की बात कही गई।

जयपुर-कोटा में तापमान ने 6 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

अजमेर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में तेज गर्मी और लू (हीटवेव) का दौर है। शुक्रवार को 7 जिले लू की चपेट में रहे। 5 जिलों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा दर्ज किया गया।

जयपुर और कोटा में तापमान ने 6 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इन दोनों जिलों में 6 साल में अप्रैल माह का सर्वाधिक तापमान रहा। वहीं, आज सभी शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज हुआ।

मौसम विभाग ने 19 अप्रैल (शनिवार) को 7 जिलों में तेज गर्मी पड़ने का येलो अलर्ट जारी किया है। 20 अप्रैल से प्रदेश में तेज गर्मी और लू से राहत मिलने की उम्मीद जताई है।

शुक्रवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा तापमान चूरू और श्रीगंगानगर में 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चित्तौड़गढ़ में अधिकतम तापमान 45.2 और कोटा व टोंक में 45.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इनके अलावा हनुमानगढ़ और झुंझुनूं जिले भी लू की चपेट में रहे।

जयपुर में अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। कोटा और जयपुर में आज सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। दोनों ही शहरों में साल 2018 के बाद अप्रैल में इतना तापमान दर्ज हुआ।

हवा की दिशा बदलने से गर्मी से मिलेगी राहत

20 अप्रैल से हवाओं की दिशा बदलेगी और राजस्थान में पश्चिमी हवाओं की जगह उत्तरी हवा का प्रभाव बढ़ने लगेगा। इससे दिन के तापमान में गिरावट होगी और लोगों को तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

मौसम विभाग ने 22 अप्रैल तक तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने का अनुमान जताया है और तेज गर्मी से राहत मिलने की संभावना जताई है।

खबर संक्षेप

गुड फ्राइडे दयालुता के लिए प्रेरित करता है

नई दिल्ली। गुड फ्राइडे ईसाई धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इसी दिन ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शांति, करुणा और भाईचारे का संदेश दिया। मोदी ने लिखा, गुड फ्राइडे के दिन हम ईसा मसीह के बलिदान को याद करते हैं। यह दयालुता, करुणा और हमेशा उदार हृदय रखने की प्रेरणा देता है।

अंतिम संस्कार के डेढ़ माह बाद वह जिंदा लौटा

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले से एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। एक युवक की दुर्घटना के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजन डीएमसीएच पहुंचकर अपहृत पुत्र भोला कुमार राम के रुप में पहचान कर चुके थे। 1 मार्च को दाह संस्कार भी कर दिया। युवक गुरुवार को जिंदा मिल गया है।

नासिक में धर्मस्थल गिराने पर मांगी रिपोर्ट

नासिक। यहां धार्मिक स्थल को नगर निगम ने ध्वस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के नोटिस पर अंतरिम रोक लगाई। याचिका को सूचीबद्ध न करने बॉम्बे हाईकोर्ट से रिपोर्ट से मांगी है। नगर निगम ने 15-16 अप्रैल को काठे गली इलाके में अनधिकृत सतपीर बाबा दरगाह को हटा दिया था।

मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर राज्यपाल बोस ने सख्त रुख अपनाया

महिलाएं शिविरों में रहने को मजबूर, हम इस हिंसा को किसी तरह बर्दाश्त नहीं करेंगे

लोगों को सुरक्षा देना राज्य सरकार की पहली जिम्मेदारी, भेजेंगे रिपोर्ट

रॉयल पत्रिका

मालदा में हिंसा पीड़ित लोगों से की मुलाकात और बोल मालदा मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा से अब भी पूरे प्रदेश में जमकर सियासत गरम है। प्रदेश के राज्यपाल सीवी आनंद बोस हिंसा पीड़ितों से मिलने मालदा पहुंचे। वे ट्रेन से गए। बोस ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों से मुलाकात से पहले यह बयान दिया। मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर बोस ने सख्त रुख अपनाया है। हिंसा प्रभावित लोग शिविरों में रहने को मजबूर हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि बंगाल में जगह-जगह हिंसा अपना भयानक रूप दिखा रही है।

बोस ने कहा कि हमें हिंसा के रास्ते को खत्म करना होगा और उसके ताबूत में आखिरी कील ठोंकनी होगी। यह शांति और सौहार्द्र के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा है कि मुर्शिदाबाद या मालदा में हुई हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। बोस ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों से मुलाकात से पहले यह बयान दिया। राज्यपाल मालदा पहुंच चुके हैं और वे स्थिति का आकलन करने के बाद केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजेंगे।दोनों जगहों पर हिंसा पीड़ितों से मुलाकात के बाद राज्यपाल ने प्रभावित क्षेत्रों का जायजा भी लिया। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों से स्थिति सामान्य करने को लेकर चर्चा भी की।

हिंसा के रास्ते को खत्म करेंगे, ताबूत में आखिरी कील ठोंकेंगे

केंद्र को भेजूंगा सिफारिशें

मालदा से निकले बोस ने कहा कि वे पीड़ितों से मिले और इसकी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपेंगे। मैं पीड़ितों से मिलने और प्रभावित क्षेत्र से प्राप्त सूचनाओं की पुष्टि करने गया था। मैं अस्पतालों, पीड़ितों के आवासों और राहत शिविरों में गया। अपनी सिफारिशें भेजूंगा।

हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे

राज्यपाल बोस ने कहा कि मुर्शिदाबाद और मालदा जैसी घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए। बंगाल की सड़कों पर कई जगहों पर मौत का तांडव चल रहा है। इस तरह की हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने और लोगों की भावनाओं को जानने के बाद उनके पास एक कार्ययोजना होगी, जिस पर मिशन मोड में काम किया जाएगा। किसी भी कीमत पर हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी।

राज्य की राजनीति में फैल रहे 2 कैंसर

राज्य बंगाल की स्थिति पर बात करते हुए राज्यपाल ने कहा है कि बंगाल में हिंसा का मामला नया नहीं है और यह एक सतत मुद्दा है। बोस ने कहा कि बंगाल की राजनीति में दो चीजें कैंसर की तरह बढ़ रही है, हिंसा और भ्रष्टाचार। हमें इसकी जड़ों को खत्म करना होगा।

घटनाओं को 'मौत का नाच' बताया

मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में हिंसा से बड़ी संख्या में महिलाएं प्रभावित हुई हैं। पीड़ितों से मुलाकात करने के बाद हबोस ने घटनाओं को 'मौत का नाच' बताया। उन्होंने कहा कि हिंसा का रास्ता अपनाने वाली मानसिकता को जड़ से खत्म किए जाने की जरूरत है।

राज्य सरकार ने लापरवाही की

राज्यपाल ने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। अगर राज्य को मदद की जरूरत है, तो हम केंद्रीय बल भेजने के लिए तैयार हैं। बंगाल में हिंसा की घटनाएं लंबे समय से हो रही हैं। राज्य सरकार हिंसा को रोके।

मालदा में एनएचआर ने प्रभावित लोगों से की बात
3 सप्ताह में विस्तृत जांच रिपोर्ट पेश की जाए

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के एक दल ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मालदा पहुंचकर उन लोगों से मुलाकात की जिन्होंने मुर्शिदाबाद जिले के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों से भागकर एक अस्थायी शरणार्थी शिविर में शरण ली है। एनएचआरसी ने हाल में मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में भड़की हिंसा का स्वतः संज्ञान लिया। एनएचआरसी सदस्यों ने लालपुर हाई स्कूल में शिविर में रह रहे प्रभावित परिवारों के सदस्यों से बात की।

मुर्शिदाबाद में पीड़ितों से मिली एनसीडब्ल्यू
महिलाएं बहुत डरी हैं, उन पर अत्याचार हुए

एनसीडब्ल्यू प्रमुख विजया रहाटकर मुर्शिदाबाद में हुई हालिया हिंसा की जांच का नेतृत्व करने के लिए गुरुवार शाम कोलकाता पहुंचीं। इस बीच राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने वहां के हालातों पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार किए गए हैं। महिलाओं के खिलाफ बहुत अत्याचार हुए हैं। यहां महिलाएं भी डरी हुई हैं।

कर्नाटक में फिर नया बवाल

सीईटी परीक्षा में छात्रों से जनेऊ व कलावा उतरवाए

आदि चुनचुनगिरी पीयू कॉलेज परिसर में ऐसी करतूत की

रॉयल पत्रिका

कर्नाटक के शिवमोग्गा में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के दौरान एक विवाद खड़ा हो गया। कुछ छात्रों से परीक्षा केंद्र में जनेऊ और हाथों में बंधे कलावे को उतारने के लिए कहा गया और यही विवाद की जड़ बन गय। घटना आदि चुनचुनगिरी पीयू कॉलेज परिसर की है।

परीक्षा देने आए 3 छात्रों को परीक्षा केंद्र पर रोका गया और उनके शरीर पर बंधे जनेऊ और हाथों में बंधा रक्षा सूत्र (कलावा) हटाने को कहा गया। गेट पर मौजूद गाड्‌र्स ने दो छात्रों से जनेऊ और बंधा रक्षा सूत्र उतरवा दिए, लेकिन तीसरा छात्र जनेऊ न उतारने पर अड़ गया। घटना 16 अप्रैल की है। छात्र को 15 मिनट तक गेट पर रोका गया। गाड्‌र्स ने उसके रक्षा सूत्र उतरवा लिया। जनेऊ के साथ परीक्षा देने की इजाजत दी।

मामले ने पकड़ा तूल, कार्रवाई हो

अब मामला तूल पकड़ चुका है। अखिल कर्नाटका ब्राह्मण सभा ने जिलाधिकारी से मिलकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि धार्मिक भावनाओं को आहत किया गया है और दोषियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। पीड़ित छात्र अभिज्ञान के मामा ने बताया कि मेरा भांजा पीयू कॉलेज गया, वहां गार्ड ने टी शर्ट के अंदर पहने जनेऊ और हाथों में पहने रक्षा सूत्र को उतारने को कहा। भांजे ने साफ कह दिया कि वह भले ही परीक्षा देगा लेकिन जनेऊ नहीं उतारेगा। उसे जनेऊ के साथ परीक्षा देने की अनुमति दी गई, लेकिन कलावा निकालकर उसे डस्टबिन में डाल दिया गया। इससे पहले 2 बच्चों का जनेऊ भी उतरवा दिया गया था।

उच्च शिक्षा मंत्री बोले-तो कार्रवाई होगी

कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री एमसी सुधाकर ने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। अगर ऐसा हुआ है और जैसा दावा किया गया है तो ये निंदनीय है। मैंने एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर से रिपोर्ट मांगी है। एग्जाम के लिए कुछ सेट प्रोटोकॉल होते हैं, उसका पालन हर संस्थान करता है, लेकिन उनमें जनेऊ उतरवाने की बात नहीं है। अगर जांच में ये बात सही साबित होती है तो दोषी लोगों के खिलाफ कार्यवाही होगी।

रोहित वेमुला एक्ट कड़ाई से लागू कर शिक्षण संस्थानों से जातिगत भेदभाव करें खत्म

दबे कुचलों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिले, सिद्धारमैया को राहुल की पाती

रॉयल पत्रिका

राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने रोहित वेमुला एक्ट के कड़ाई से पालन और उच्च शिक्षा में जातिगत भेदभाव को रोकने की मांग की। इस पत्र की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि उनसे कुछ एससी, एसटी, पिछडे वर्ग के छात्र मिलने आए थे। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों में अपने साथ हो रहे भेदभाव पर विस्तार से बात की थी। उसके बाद राहुल गांधी ने पत्र का जिक्र करते हुए लिखा कि छात्र, छात्राओं के साथ बातचीत के आधार पर उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिक्षा संस्थानों से भेदभाव खत्म करने के लिए रोहित वेमुला एक्ट सख्ती से लागू करने को कहा था। राहुल गांधी ने पत्र में रोहित वेमुला की आत्महत्या (2016) का जिक्र किया, जो हैदराबाद विश्वविद्यालय में दलित छात्र के रूप में भेदभाव का शिकार हुए थे। इस घटना ने देशभर में दलित अधिकारों और शिक्षा में समानता पर बहस छेड़ी थी। पत्र में राहुल ने कर्नाटक सरकार से मांग की कि वह रोहित वेमुला एक्ट को प्रभावी ढंग से लागू करे, ताकि शैक्षणिक संस्थानों में दलित, आदिवासी, और पिछड़े वर्गों के छात्रों और शिक्षकों के साथ जातिगत भेदभाव को रोका जा सके। उन्होंने जोर दिया कि भारत का हर बच्चा समानता का हकदार है, और जातिवाद के कारण किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

क्या है रोहित वेमुला एक्ट

यह प्रस्तावित कानून उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए बनाया गया है। यह दलित, आदिवासी, और अन्य पिछड़े समुदायों के छात्रों के अधिकारों की रक्षा करने और उनके लिए सुरक्षित शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। राहुल ने पत्र में इस कानून के कड़ाई से पालन की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि भविष्य में रोहित वेमुला जैसी घटनाएं न हों।

बलरामपुर में भाजयुमो ने राहुल-सोनिया का जलाया पुतला, जमकर की नारेबाजी

वीर विनय चौराहा पर लगाए बड़े आरोप

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के बड़े नेताओं पर चार्जशीट

रॉयल पत्रिका

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सांसद राहुल गांधी एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी का नाम आने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने वीर विनय चौराहा पर दोनों नेताओं का पुतला जलाया। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी भी की। भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्र के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अटल भवन कार्यालय तुलसीपार्क से नारेबाजी करते हुए वीर विनय चौराहा पहुंचे। रवि ने कहा कि कांग्रेस घोटाले पर घोटाला करती आ रही है। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा व सुमन दुबे का नाम अपनी चार्ज शीट में शामिल किया है।

कांग्रेस सरकार ने देश को लूटा

नेशनल हेराल्ड के मामले में कांग्रेस ने सिर्फ घोटाला किया है। मोदी सरकार में जांच एजेंसियां सही ढंग से कार्य कर रही हैं। अब कांग्रेस कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो रहा है। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया एवं राहुल अंतरिम जमानत पर हैं। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य एकता जायसवाल ने कहा कि युवा मोर्चा की ओर से पूरे देश में नेशनल हेराल्ड मामले में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार ने देश को लूटने का कार्य किया है।

भ्रष्टाचार को छुपाने देश को गुमराह कर रही कांग्रेस

कांग्रेस नेता राहुल व सोनिया के नाम से 661 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग घोटाला किया गया है। जांच करवाई प्रभावित करने के लिए कांग्रेस झूठ का प्रपंच रच रही है। जिलाध्यक्ष संदीप वर्मा ने कहा कि ईडी ने नेशनल हेराल्ड केस में यंग इंडिया की 751.9 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी। इस कंपनी में सोनिया व राहुल की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कांग्रेसी भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए देश को गुमराह कर रहे हैं।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

अपनी है उर्दू...

सुप्रीम कोर्ट का उर्दू से जुड़े मामले में दिया गया फैसला बताता है कि भारत जैसे देश के लिए भाषाई विविधता कितनी जरूरी है। भाषा को किसी धर्म, संप्रदाय से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। यह तो पुल की तरह है, जो लोगों को जोड़ने का काम करती है। उम्मीद है कि टिप्पणियों के रूप में आई शीर्ष अदालत की नसीहत भाषाई विवाद खड़ा करने वालों को कुछ सीख देगी।

प्रभावी संवाद: यह मामला महाराष्ट्र से जुड़ा हुआ था। वहां बॉम्बे हाईकोर्ट ने अकोला के पाटूर नगर परिषद की नई इमारत के साइनबोर्ड पर मराठी के साथ उर्दू के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। सुप्रीम कोर्ट इसी फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। अदालत ने माना कि उर्दू के प्रयोग का उद्देश्य केवल प्रभावी संवाद है।

बोलचाल की भाषा: भारत में आबादी की तरह भाषाएं भी मिली-जुली हैं। एक भाषा के शब्द दूसरी भाषा में कब चले जाते हैं, बोलने वाले को भी पता नहीं चलता। और उर्दू तो खासतौर पर बहन कही जाती है हिंदी की। इसके बिना रोजमर्रा की बोलचाल भी नहीं हो सकती। यूपी, बिहार जैसे हिंदीभाषी राज्यों को छोड़ दिया जाए, तो कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे दक्षिण के राज्यों में भी उर्दू बोलने वालों की अच्छी-खासी तादाद है। जिस महाराष्ट्र में यह विवाद हुआ, वहां स्थापित फिल्म इंडस्ट्री उर्दू के लफ्जों के बिना एक कदम भी नहीं चल पाएगी।

भारत की जुबान: उर्दू से जुड़ा विवाद उस मानसिकता की देन है, जिसके हिसाब से यह भाषा भारत की नहीं है। यह धारणा बना ली गई है कि जिस तरह धर्म के आधार पर देश का बंटवारा हुआ और उसके परिणाम में मानव इतिहास का सबसे बड़ा विस्थापन देखना पड़ा, उसी तरह उर्दू को भी भारत से विस्थापित हो जाना चाहिए। हालांकि भाषाएं अपना देश नहीं छोड़ा करतीं और उर्दू तो भारत की ही है, जैसे संस्कृत, हिंदी या फिर बांग्ला। इन भाषाओं ने अपने शब्दों, साहित्य से दूसरी भारतीय भाषाओं को और समृद्ध ही किया है। उर्दू का अदब और रेशमी सलीका भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, जिसे कोई नकार नहीं सकता।

भाषा पर राजनीति: बहुभाषी देश में भाषाओं को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। दक्षिण भारत में हिंदी को लेकर प्रतिरोध बहुत पुराना है। हाल में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की वजह से यह मामला फिर उछला था। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार उन पर हिंदी थोपने की कोशिश कर रही है। इस तरह के विवादों में आम लोगों की संवेदनाएं, पुरानी धारणाएं और राजनीति प्रमुख भूमिका निभाती हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के अनुसार यह समझने की जरूरत है कि भाषा धर्म नहीं है... यह एक समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है, धर्म की नहीं।

वक्फ बिल विवाद और 'सौगात-ए-मोदी'

मुसलमानों को लेकर BJP की दोहरी रणनीति पर मंथन

ईद के मौके पर देशभर में लाखों मुसलमानों को केंद्र सरकार की ओर से एक खास तोहफा मिला — 'सौगात-ए-मोदी' नाम की एक किट, जिसमें खाने-पीने और जरूरत की चीजें थीं। सोशल मीडिया पर बीजेपी नेता इस 'कृपा' को प्रचारित कर रहे थे। लेकिन इसी वक्त, सरकार एक विवादित वक्फ संशोधन बिल को लेकर भी घिरी हुई है, जिसे मुस्लिम समाज अपनी धार्मिक संपत्तियों पर सीधा हमला मान रहा है।

ऐसे में सवाल खड़ा होता है — क्या बीजेपी दोहरी रणनीति पर काम कर रही है? एक तरफ हिंदुत्व को साधने के लिए वक्फ कानून में बदलाव, और दूसरी ओर अल्पसंख्यकों को welfare के ज़रिए करीब लाने की कोशिश?

क्या है 'सौगात-ए-मोदी'?

राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में ईद से पहले हजारों मुस्लिम परिवारों को एक पैकेट मिला जिसमें लिखा था — "सौगात-ए-मोदी", और नीचे 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी' की फोटो।

किट में राशन, मिठाई, इत्र, टोपी और बच्चों के लिए कुछ उपहार रखे गए थे। ये वितरण कुछ जगहों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया, तो कुछ स्थानों पर मुस्लिम समुदाय के बीच सक्रिय संघटनाएं इसमें शामिल थीं।

बीजेपी नेताओं ने इसे 'मोदी का स्नेह' बताया, जबकि विरोधियों ने इसे 'छवि सुधार अभियान' करार दिया।

दूसरी तरफ — वक्फ संशोधन बिल से क्यों भड़का विवाद?

2023 के अंत में सरकार ने वक्फ अधिनियम 1995 में संशोधन का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव में:

वक्फ बोर्ड को दी गई असीम शक्तियों को सीमित करने की बात कही गई है।

किसी संपत्ति को वक्फ घोषित करने से पहले जनसुनवाई और दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य किए गए हैं।

कुछ मामलों में सरकारी अधिग्रहण को वैध माना गया है।

मुस्लिम संगठनों का आरोप:

"यह बिल हमारी धार्मिक और सामाजिक संपत्तियों पर हमला है।"

"सरकार हमारी मस्जिदों, कब्रिस्तानों और मदरसों की ज़मीनें हड़पना चाहती है।"

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, बिहार में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। कई संगठनों ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की भी बात की है।

दोनों कदम एक साथ क्यों?

विश्लेषकों के अनुसार, ये रणनीति BJP के मुस्लिम वोट बैंक में प्रवेश करने के नए प्रयास का हिस्सा है।

1. राजनीतिक गणित:

बिहार की 32 सीटों पर मुस्लिम आबादी 30% से ज्यादा है।

पश्चिम बंगाल, यूपी, केरल और असम में भी मुस्लिम वोट निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

2020 के बिहार चुनाव में भाजपा को 34% मुस्लिम बहुल सीटों पर सफलता मिली थी।

2. नरम हिंदुत्व + सोशल वेलफेयर:

पार्टी अपने कट्टर हिंदुत्व चेहरे के साथ-साथ अल्पसंख्यकों को 'फायदे' दिखाकर अपनी ओर खींचना चाहती है।'साबका साथ, सबका विकास' के नारे को अब ज़मीनी रूप देने की कोशिश हो रही है।भाजपा की पुरानी नीति से अलग?गुजरात के हालिया स्थानीय चुनाव में BJP ने मुस्लिम उम्मीदवारों को मैदान में उतारा और कुछ ने जीत भी दर्ज की।

इसके अलावा:

मुस्लिम महिलाओं से जुड़ी योजनाएं — उज्जवला, शौचालय, बैंक खाते।

हज सब्सिडी हटाने के बाद भी, सुविधाएं बढ़ाई गईं।

फ्री राशन स्कीम से भी बड़ा मुस्लिम वर्ग जुड़ा।

ये संकेत हैं कि भाजपा एक 'कंट्रोल्ड मुस्लिम एंगेजमेंट' की रणनीति पर चल रही है — जो पार्टी की मुख्य हिंदुत्व आइडेंटिटी को नुकसान न पहुंचाए लेकिन वोटबैंक में सेंध लगाए।

लेकिन मुस्लिम समाज क्या सोचता है?

भाजपा की इन पहलों के बावजूद मुस्लिम समुदाय का बड़ा हिस्सा अब भी असहज है।

CAA-NRC, बुलडोजर पॉलिटिक्स, मॉब लिंचिंग, और अब वक्फ बिल जैसे मुद्दों ने दूरी बना रखी है।

'सौगात-ए-मोदी' जैसी पहल को ज्यादातर लोग 'चुनावी स्टंट' मानते हैं।

जयपुर निवासी मौलाना नदीम काज़मी कहते हैं:

"पहले हमारे वुज़ू खाने पर बुलडोजर चलता है, फिर मिठाई भेजी जाती है — इसे मुसलमान अब पहचान चुका है।"

निष्कर्ष: 2024 की तैयारी या असली बदलाव?

भाजपा की नीति में बदलाव है या सिर्फ पैकेजिंग बदली है — यह आने वाले महीनों में साफ होगा।

वक्फ बिल से जहां मुस्लिमों का डर और बढ़ा है, वहीं 'सौगात-ए-मोदी' से पार्टी एक सॉफ्ट टच देने की कोशिश कर रही है।

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले ये दोनों तस्वीरें एक साथ सामने आना, इस बात का साफ इशारा है कि BJP मुस्लिम समुदाय को लेकर 'दोहरी लेकिन सोची-समझी' रणनीति पर काम कर रही है।

जलवायु परिवर्तन
ज्ञानेन्द्र रावत

ग्लेशियरों के पिघलने से सिकुड़ रही जीवन की धारा

दुनिया में ग्लेशियरों का पिघलना समूचे प्राणी जगत के लिए संकट का सबब बन गया है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 में दुनिया में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया है कि यदि ग्लेशियरों के पिघलने की मौजूदा दर इसी तरह जारी रही तो इस संकट के परिणाम अभूतपूर्व और विनाशकारी होंगे। यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगा तो दुनिया की कुल 8.2 अरब आबादी में से दो अरब से भी ज्यादा लोग पानी और भोजन की गंभीर समस्या का सामना करने को विवश होंगे। गौरतलब है कि ग्लेशियरों की धरती पर जल चक्र बरकरार रखने में महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्लेशियरों का पानी ही नदियों के जरिये हमारे जीवन की धारा को आगे बढ़ाता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों के पिघलने को कहें या सिकुड़ने से नदियों पर संकट दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। हकीकत यह है कि जलवायु परिवर्तन के चलते ग्लेशियरों के सिकुड़ने और पर्वतीय क्षेत्रों में दिनोंदिन घटती बर्फबारी के कारण दुनिया की दो तिहाई खेती योग्य जमीन के प्रभावित होने की प्रबल आशंका है। समूची दुनिया में तकरीब 2.75 लाख से भी ज्यादा ग्लेशियर सात लाख से अधिक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर करते हैं जो जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से पिघल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो दुनिया के सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीसरे वर्ष यानी 2022, 2023 और 2024 में अभूतपूर्व नुकसान देखा गया है। इस बारे में यदि विश्व मौसम विज्ञान संगठन की मानें तो इसमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। यही नहीं अमेरिका की कोलोराडो नदी तो 2020 में ही सूख चुकी है। यूनेस्को के डायरेक्टर जनरल आंड्रे एंजुले का कहना है कि ग्लेशियर और पर्वतीय जल स्रोतों पर हम पूरी तरह निर्भर हैं। क्योंकि दुनिया में पेयजल का 70 फीसदी हिस्सा इन्हीं ग्लेशियरों में संरक्षित है। जलवायु परिवर्तन के चलते इनके तेजी से पिघलने से पेयजल के इन सबसे बड़े स्रोतों के अस्तित्व पर संकट है। इसलिए इन्हें बचाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। क्योंकि ग्लेशियर हैं तो जल है, जल है तो जीवन है और जीवन है तो हम हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और नेशनल स्नो एण्ड आइस डेटा सेंटर के शोध से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि वर्ष 2010 के पहले आर्कटिक और अंटार्कटिका में जो बर्फ की चादर बिछी होती थी, उसमें अब लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी हो गयी है। वहां अब मात्र 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ बची है। यह 2017 के 144 लाख वर्ग किलोमीटर के पिछले निम्नतम स्तर से भी नीचे चली गयी है। 2000 और 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों ने हर साल लगभग 270 अरब टन बर्फ को खो दिया है। एक वर्ष में 270 अरब टन बर्फ का नुकसान पूरी वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्ष में खपत किये जाने वाले पानी के बराबर है। इस बारे में मैरीलैंड के ग्रीनबेल में नासा के गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट का कहना है कि अगली गर्मियों के मौसम में हमारे पास बहुत कम बर्फ बचेगी। इसमें मानवीय गतिविधियों, मुख्यतः जीवाश्म ईंधन के जलने से हुयी तापमान में बढ़ोतरी अहम है। दर असल जैसे-जैसे तापमान बढ़ता जाता है, उसी गति से ग्लेशियर बनने की तुलना में तेजी से पिघलने लगते हैं और अपनी जगह छोड़ने लगते हैं।जहां तक हिमालयी ग्लेशियरों का सवाल है, सरकार की ओर से 2023 में संसद में पेश रिपोर्ट में बताया गया था कि हिमालय के ग्लेशियर अलग- अलग दर से तेजी से पिघल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से हिमालय की नदियां किसी भी समय प्राकृतिक आपदायें ला सकती हैं। रिपोर्ट में सरकार ने स्वीकार किया कि ग्लेशियर के पिघलने से नदियों के बहाव में अंतर आयेगा और जिसके परिणाम स्वरूप आबादी का एक बड़ा हिस्सा प्रभावित होगा। ग्लेशियरों को बचाना महज बर्फ को बचाना नहीं है बल्कि अपने भविष्य को बचाना है। यह याद रखना होगा कि ग्लेशियर मात्र बर्फीले शिखर ही नहीं हैं, वे हमारे भविष्य की जड़ें हैं। इसलिए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव के साथ-साथ हिमालय क्षेत्र में मानवीय दखलंदाजी पर अंकुश, जलवायु परिवर्तन के दानव और कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगानी ही होगी, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब हिमालय की धारायें मौन हो जायेंगी, हम बूंद-बूंद पानी के लिए तरस जायेंगे,खेत सूख जायेंगे, जमीन बंजर हो जायेगी और हमारे बच्चों की आंख में पानी नहीं आंसू होंगे और वे भी एक दिन सूख जायेंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं पर्यावरणविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मानव अपनी दौड़ को सीमित करें

संकलित
दर्शन

सिकन्दर को एक महात्मा ने कहा, तुम भारत को जीत कर क्या करोगे? सिकंदर ने कहा, पहले मैं अफगानिस्तान जीतूंगा। महात्मा ने पूछा फिर? फिर मैं उजबेकिस्तान, रुस आदि देश जीतूंगा। महात्मा ने पूछा फिर? सिकन्दर बोला फिर मैं आराम करूंगा। महात्मा ने कहा अगर तुम इतना सब करके ही आराम करने वाले हो तो आज ही आराम करो तो क्या कठिनाई है? सिकन्दर कोई उत्तर नहीं दे सका। मानव की एक तृष्णा होती है अप्राप्त को प्राप्त करने की। इस तृष्णा के अन्तर्गत जीवन भर वह भाग दौड़ करता ही रहता है, फिर भी जब उसकी मृत्यु होती है, तो उस समय तक बहुत कुछ अप्राप्त ही रह जाता है। विश्व और विश्व के उपादान इतने विस्तृत है कि कोई भी व्यक्ति उन्हें पूर्ण रुप से प्राप्त नहीं कर सकता, यह स्पष्ट होते हुए भी मानव अपनी तृष्णा को निरन्तर बढ़ाता ही रहता है। आराम-सुख-शान्ति-आनन्द ये तत्व तो उसके लिए दुर्लभ ही हो जाते हैं क्यों कि वह तो जीवनभर अर्जन करने में ही जुटा रहता है। और ऐसा करते-करते ही अपना मानव जीवन बिताकर दुनियां से चला जाता है। शास्त्रों का संदेश है। मानव अपनी दौड़ को सीमित करें। तभी मानव शांति प्राप्त कर सकता है। मनुष्य की प्रवृत्ति ही जोड़ने की होती है। यह अपनी बंदमुठ्ठी कभी खोलना नहीं जानता है। जो यह समझ गया कि बंदमुठ्ठी खोलने के लिए है, उसका जीवन सार्थक होगा।

-कांतिलाल मांडोत, सूरत

एक लकड़ी का कटोरा

संकलित
प्रेरणा

एक वृद्ध व्यक्ति अपने बहु-बेटे के यहाँ शहर रहने गया। वो एक छोटे से घर में रहते थे, पूरा परिवार और उसका चार वर्षीया पोता एक साथ ही खाना खाते थे। लेकिन वृध्द होने के कारण उस व्यक्ति को खाने में बड़ी दिक्कत होती थी। बहु-बेटे कुछ दिनों तक तो ये सब सहन करते रहे। अगले दिन जब खाने का वक्त हुआ तो बेटे ने एक पुरानी मेज को कमरे के एक कोने में लगा दिया और अपने बूढ़े बाप से बोला कि पिता जी आप यहां पर बैठ कर खाना खाया करो। बूढ़ा पिता वहीं अकेले में बैठ कर अपना भोजन करने लगा, यहाँ तक की उनके खाने-पीने के बर्तनों की जगह एक लकड़ी का कटोरा दे दिया गया था। बाकी लोग पहले की तरह ही आराम से बैठ कर खाना खाते। वहां बैठा बालक भी यह सब बड़े ध्यान से देखता रहता, और अपने में मस्त रहता। एक रात खाने से पहले, उस छोटे बालक को उसके माता-पिता ने ज़मीन पर बैठकर कुछ करते हुए देखाः तुम क्या बना रहे हो? पिता ने पूछा, बच्चे ने मासूमियत के साथ उत्तर दिया, अरे मैं तो आप लोगों के लिए एक लकड़ी का कटोरा बना रहा हूँ, ताकि जब मैं बड़ा हो जाऊं तो आप लोग इसमें खा सकें, और वह पुनः अपने काम में लग गया। पर इस बात का उसके माता-पिता पर बहुत गहरा असर हुआ। उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला और आँखों से आंसू बहने लगे। वो दोनों बिना बोले ही समझ चुके थे कि अब उन्हें क्या करना है। उस रात वो अपने बूढ़े पिता को वापस डिनर टेबल पर ले आये, और फिर कभी उनके साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया।

गुरु तेग बहादुर जयंती

सिख श्रद्धालु नौवें सिख गुरु तेग बहादुर की जयंती की पूर्व संध्या पर अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में धार्मिक जुलूस में भाग लेते हुए।

आज की पाती

पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक का दायित्व

हाल ही में विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट प्रकाशित हुई हैं जिससे भारत की फिर किरकिरी हुई है। इस रिपोर्ट की मानें तो दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 13 केवल भारत के ही हैं और दिल्ली लगातार छठवीं बार दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी का खिताब पाने में प्रथम आई है। ऐसे दिल दहला देने वाले आंकड़े देखकर यदि यह प्रश्न पूछा जाए कि इस पृथ्वी पर सबसे खतरनाक पशु कौन है तो संभवत: शेर, बाघ, चीता जैसे पशुओं का विचार आएगा। लेकिन मेरे अनुसार इस पृथ्वी का सबसे खूंखार पशु मनुष्य है, मनुष्य ने इस ग्रह को जितनी क्षति पहुंचाई है, शायद ही किसी अन्य पशु की पूरी प्रजाति ने मिलकर उतनी क्षति पहुंचाई होगी। प्रदूषण सिर्फ भारत तक सीमित नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के लिए चिंता का विषय है। - *रविंद्र जोशी, बिलासपुर*

ट्रेंड

एकीकरण कार्यक्रम

बंदूकों से लेकर मूंगफली और उग्रवाद से लेकर उद्यमिता तक, कार्बी आंगलोंग ने हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर बदलाव देखा है। हमारे विभिन्न पुनः एकीकरण कार्यक्रमों के माध्यम से, कई लोग मत्स्य पालन और कृषि उद्यमी के साथ-साथ नौकरी सृजक भी बन गए हैं।

-हिमंत बिस्वा सरमा, सीएम, असम

विनम्र श्रद्धांजलि

स्वतंत्रता सेनानी और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। शिक्षा और सशक्तीकरण के लिए उनका योगदान सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। वह स्वाभिमानी और गौरवान्वित करने वाले ओड़िया थे।

-मोहन चरण माझी, सीएम, ओडिशा

लोको पायलटों से अन्याय

रेलवे के लोको पायलटों की 14-14 घंटे की शिफ्ट, लगातार रात की ड्यूटी, न पर्याप्त आराम, न खाने का ब्रेक और न शौचालय की सुविधा। ये न सिर्फ उनके साथ अन्याय है, बल्कि उन करोड़ों यात्रियों की सुरक्षा से भी खिलवाड़ है जो ट्रेनों से सफर करते हैं।

- राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

वजन घटाने वाली दवा

भारत के वजन घटाने वाली दवा बाजार ने विस्फोटक वृद्धि प्रदर्शित की है, जो नवंबर 2020 में 37 करोड़ से बढ़कर नवंबर 2024 तक 535 करोड़ हो गई है।

-स्वामीनाथन पद्मनाभनश, उद्यमी

करंट अफेयर

दक्षिण अफ्रीका में गांधी की प्रतिमा का अनावरण

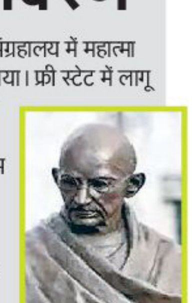

दक्षिण अफ्रीका के फ्री स्टेट प्रांत में 'एंग्लो-बोअर' युद्ध संग्रहालय में महात्मा गांधी की एक विशाल आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया गया। फ्री स्टेट में लागू रंगभेद कानून की वजह से एक सदी से भी अधिक समय तक भारतीयों का इस प्रांत में प्रवेश प्रतिबंधित था। पद्म भूषण पुरस्कार विजेता राम वंगी सुतार द्वारा बनाई गई इस कांस्य प्रतिमा को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने संग्रहालय को दान किया है। प्रतिमा का अनावरण 11 अप्रैल को भारतीय उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने 1899-1902 के एंग्लो-बोअर युद्ध में भारतीयों की भागीदारी की अब तक की अनकही कहानी पर एक वृत्तचित्र और एक पुस्तक के साथ किया। वर्ष 1994 में नेल्सन मंडेला के दक्षिण अफ्रीका के पहले लोकतांत्रिक राष्ट्रपति चुने जाने तक, 'ऑरेंज फ्री स्टेट' के नाम से जाने जाने वाले इस प्रांत में कानून के तहत भारतीयों के प्रवेश पर प्रतिबंध था। यहां तक कि तटीय शहर डरबन तक पहुंचने के लिए प्रांत से गुजरने वालों को भी पहले से परमिट लेना पड़ता था। भारतीय लोग यहां गन्ने के खेतों में काम करने वाले मजदूरों के रूप में यहां पहुंचे थे। ब्लोमफोनटेन में युद्ध संग्रहालय के निदेशक टोकी प्रीटोरियस ने कहा, "ब्लोमफोनटेन में युद्ध संग्रहालय का मुख्य विषय दक्षिण अफ्रीकी एंग्लो-बोअर युद्ध है।

ऑफ बीट

भेड़ों से अधिक बुद्धिमान साबित हुई हैं बकरियां

जब हम बुद्धिमान पशुओं के बारे में सोचते हैं तो आमतौर पर भेड़-बकरी जैसे जानवर हमारे जेहन में सबसे पहले नहीं आते। हमारे जेहन में चिंपांजी, आरंगुटान, कैपुचिन्स जैसे पशु या कौए जैसा पक्षी आता है। लेकिन मेरे शोध में पता चला है कि भेड़, बकरियां और अल्पाका जैसे पशु भी कम अक्लमंद नहीं होते। दो अलग-अलग अध्ययनों में, मैंने पता लगाया कि ये जानवर कैसे सीखते हैं, याद रखते हैं और अपने आस-पास की दुनिया को कैसे समझते हैं। निष्कर्षों से न केवल यह पता चलता है कि हमने उनकी सोचने-समझने क्षमताओं को कम करके आंका है, बल्कि जानकारी भी मिली कि इन पशुओं के बीच भी महत्वपूर्ण अंतर हैं। तीनों पशुओं में से बकरियां शीर्ष पर रहीं और उन्होंने याददाश्त व समस्या के समाधान के मामले में भेड़ों और अल्पाकाओं दोनों से बेहतर प्रदर्शन किया। प्रारंभिक अध्ययन भोजन जैसी किसी महत्वपूर्ण चीज के स्थान को याद रखने की क्षमता पर केंद्रित था। जंगल में, यह जीवित रहने का एक महत्वपूर्ण कौशल है। जानवरों को यह याद रखने की जरूरत होती है कि उन्हें पानी, भोजन या आश्रय कहां मिलेगा। मैंने एक सरल प्रयोग किया। प्रत्येक जानवर को एक छोटे से क्षेत्र में कई बाल्टियों में से एक में छिपा हुआ भोजन ढूंढना था।

रॉयल पत्रिका

प्रदेशभर में हीटवेव का हो पुख्ता प्रबंधन, एक भी रोगी के जीवन को नहीं हो खतरा - प्रमुख सचिव, चिकित्सा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान भीषण गर्मी एवं हीटवेव की दृष्टि से बेहद संवेदनशील राज्य है। इसे देखते हुए प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव को लेकर पुख्ता प्रबंधन सुनिश्चित हो। किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति का जीवन अमूल्य है। जांच, दवा, उपचार आदि के अभाव में किसी भी रोगी के जीवन को खतरा नहीं होना चाहिए।

श्रीमती राठौड़ शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में भीषण गर्मी एवं हीटवेव के दौरान चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक तैयारियों, बजट घोषणाओं एवं चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने राजस्थान में भीषण गर्मी एवं हीटवेव का अत्यधिक प्रभाव रहने की आशंका व्यक्त की है। इसे देखते हुए भारत सरकार एवं राज्य सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाएं।

दवाओं की हो पर्याप्त उपलब्धता, उपकरणों का नियमित मेंटीनेंस —

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अस्पतालों में हीटवेव एवं मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। मांग एवं आवश्यकता के अनुरूप हर चिकित्सा संस्थान में दवाओं की उपलब्धता हो। जरूरत होने पर स्थानीय स्तर पर भी दवाओं की खरीद की जाए, लेकिन दवाओं की कमी नहीं रहे। राज्य स्तर से भी दवाओं की मांग, आपूर्ति एवं वितरण की नियमित रूप से प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने ऑक्सीजन प्लांट्स सहित अन्य चिकित्सा उपकरणों के नियमित मेंटीनेंस पर विशेष जोर दिया।

पंखे, कूलर, एसी की कमी से परेशानी हुई तो संस्थान प्रभारी होंगे जिम्मेदार —

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि हर चिकित्सा संस्थान में पानी, छाया, एसी, कूलर, पंखों आदि की समुचित उपलब्धता एवं क्रियाशीलता को लेकर विशेष ध्यान रखा जाए। अगर किसी भी चिकित्सा संस्थान से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा तो संबंधित संस्थान के प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी और नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जहां भी एसी, कूलर, पंखे या हीटवेव के प्रबंधन हेतु अन्य जरूरी संसाधनों की कमी है तो तात्कालिक आवश्यकतानुसार आरएमआरएस फण्ड से खरीद की जाए।

विभिन्न बिंदुओं पर हीटवेव प्रबंधन की होगी दैनिक रिपोर्टिंग —

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों को हीटवेव प्रबंधन को लेकर दैनिक रिपोर्टिंग करनी होगी। यह रिपोर्टिंग आरक्षित बैड की संख्या, एसी, कूलर, पंखों की क्रियाशीलता, पेयजल की उपलब्धता, एम्बुलेंस, ऑपरेशन थियेटर एवं उपकरणों की क्रियाशीलता, जांच एवं दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य बिंदुओं के आधार पर की जाएगी। उन्होंने सभी जिलों के नोडल अधिकारियों को भी हीटवेव प्रबंधन की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं समय-समय पर फील्ड में जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

खाद्य पदार्थों की शुद्धता के लिए चलाएं अभियान

श्रीमती राठौड़ ने गर्मी के दौरान खाद्य सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए निर्देश दिए कि प्रदेशभर में अभियान चलाकर नियमित निरीक्षण करते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित की जाए। आमजन को भी खाद्य सामग्री की खरीद एवं उपयोग में मानकों का ध्यान रखने हेतु जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं संतुलित खान-पान से मौसमी बीमारियों से बचाव में बड़ी मदद मिलती है।

बजट घोषणाएं समय पर हों पूरी —

प्रमुख शासन सचिव ने बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए इनका समयबद्ध रूप से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समय पर पूरा किया जाए, ताकि आमजन को इनका लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने एम्बुलेंस के सुचारू संचालन, अस्पतालों में समुचित स्टाफ की उपलब्धता, स्टाफ की कमी होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने, नियंत्रणों कक्षों का चौबीस घंटे संचालन करने, आमजन को व्यापक स्तर पर जागरूक करने सहित अन्य दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पत्रकार कल्याण हेतु बड़ी सौगात

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति योजना की अधिसूचना जारी कर दी गई है। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 को पूरा करते हुए राज्य के सभी अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए यह योजना शुरू की गई है।

पत्रकार कल्याण के महत्वपूर्ण निर्णय —

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पत्रकार कल्याण के लिए पूर्व में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। शर्मा ने अधिस्वीकृत पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना (आरजेएचएस) का शुभारंभ किया है। इस योजना के तहत अधिस्वीकृत पत्रकारों और परिवार के सदस्यों को आरजीएचएस की तर्ज पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। स्वतंत्र पत्रकारों के अधिस्वीकरण की आयु सीमा तथा अनुभव में छूट देते हुए न्यूनतम पात्रता आयु 45 वर्ष तथा पत्रकारिता का अनुभव 15 वर्ष किया। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर को जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार से जोड़ने के लिए नव-प्रसारक नीति जारी की। वहीं पत्रकार एवं साहित्यकार कल्याण कोष से अधिस्वीकृत पत्रकारों एवं आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

योजना के तहत आवेदक छात्र/छात्रा के माता-पिता में से किसी एक व्यक्ति को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से अधिस्वीकृत पत्रकार होना आवश्यक है।

ऐसे अधिस्वीकृत पत्रकार जिनकी स्वयं की आजीविका पूर्णतः पत्रकारिता पर निर्भर हो तथा अभ्यर्थी की स्वयं की वार्षिक आय को सम्मलित करते हुए अधिकतम 5 लाख रुपये से कम हो, उनके दो बच्चे पात्र होंगे।

राष्ट्रीय स्तर की शिक्षण संस्थानों के मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों से लिये गये केवल अनिवार्य नॉन रिफंडेबल शुल्कों का आधा अर्थात 50 प्रतिशत शुल्क का पुनर्भरण/भुगतान विद्यार्थी को बैंक खाते के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। पाठ्यक्रम एक से अधिक वर्ष की अवधि होने पर छात्रवृत्ति का नवीनीकरण प्रतिवर्ष किया जायेगा। आवेदनकर्ता को छात्रवृत्ति के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय पर करना होगा।

निस्वार्थ फाउंडेशन द्वारा श्री ओम बन्ना शिक्षण संस्थान में 51000 रु की नगद राशि दी

मनोहरपूर,(रॉयल पत्रिका)। सीकर में सामाजिक कार्यों में अग्रणीय और तेजी से उभरती हुई संस्था निस्वार्थ फाउंडेशन द्वारा गरीब परिवार के बच्चों के लिए संचालित संस्था श्री ओम बन्ना शिक्षण संस्थान में 51000 रु की राशि भेंट की गई। संस्था एडमिन रेवंत सिंह जो की सीकर के सेवद बड़ी निवासी है उन्होंने कहा कि ये शिक्षण संस्थान सर्व समाज के बच्चों के लिए है जिस में बच्चे निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकते है इस में मुख्य सहयोगी केप सा राठौड़ नंदू सिंह ओडिंट तेजपाल सिंह जोधा व नवीन घई दिल्ली कैलास सिंह बरसिंहपूरा रहे । ओम बन्ना टाइगर फोर्स के माधो सिंह उदट द्वारा संस्था का आभार व्यक्त किया गया इस में महेंद्र सिंह उपस्थित रहे। संस्था एडमिन के अनुसार निस्वार्थ फाउंडेशन लगातार हर महीने जरूरमंद परिवार की मदद कर रही है महिलाओं के स्वरोजगार के लिए बच्चियों के विवाह गौसेवा में जैसा भी पीड़ित परिवार को सहायता की जरूरत होती है उसे पहुंचाई जाती है। संस्था के कुछ सदस्य विदेश में भी रहते है जो समय समय पे सहयोग करते है। किसी भी तरह की मदद करने से, चाहे वह बड़ी हो या छोटी, आपको खुशी और संतुष्टि मिलेगी।

एक राष्ट्र, एक चुनाव: डिजिटल समर्थन अभियान का लोकार्पण, जनभावना से जुड़ने की पहल

जयपुर। बीजेपी का "एक राष्ट्र, एक चुनाव" अभियान के तहत बीजेपी मुख्यालय में "डिजिटल समर्थन" लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी की अगुवाई में कमेटी बनी है। पहले भी चुनाव एक साथ होते थे। लेकिन एक समय ऐसा आया जब ये परिपाटी टूटी। इंदिरा गांधी के समय ऐसा हुआ। प्रांतों में सरकारें बर्खास्त होने लगीं। अयोध्या में ढांचे के ध्वस्त होने के बाद भी राज्य सरकार बर्खास्त की गई। ये सब ऐसे ही चलने लगा। अलग-अलग चुनाव होने लगे। फिर जनता की गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग होने लगा। यह सिर्फ बीजेपी का कार्यक्रम नहीं है। बीजेपी ऐसा सोचती है कि चुनाव एक साथ होने चाहिए। नागरिक भी ऐसा ही सोचते हैं। हम जन भावना के साथ हैं। बार-बार चुनाव होने से आचार संहिता लगती है जिससे विकास प्रभावित होता है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध सभी अस्पतालों को दिए निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में अब प्रदेश के सभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में मरीज की पैथोलॉजी जांच परामर्श के दिन ही की जाएगी। इसके लिए जांच लैब में सैंपल कलेक्शन का समय और स्टाफ बढ़ाया जाएगा। साथ ही, किसी भी रोगी को निजी अस्पताल में नहीं भेजा जाएगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने शुक्रवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह माता पिता अपने बच्चों का ख्याल रखते हैं, उसी भावना के साथ रोगी की सेवा की जाए। बैठक में सभी 29 मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं संबद्ध 81 अस्पतालों के अधीक्षक उपस्थित रहे।

डीडीसी में एक माह एवं सब स्टोर में तीन माह का स्टॉक अवश्य रहे—

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि अस्पतालों में आमजन को बेहतरीन उपचार उपलब्ध करवाने के लिए जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दृष्टि से लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी एवं लू तापघात की स्थितियों के दृष्टिगत सभी अस्पतालों में माकूल इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। किसी भी अस्पताल में पंखे, कूलर, एसी, पेयजल, छाया, साफ—सफाई, जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि दवा वितरण केंद्रों पर एक माह एवं सब स्टोर पर तीन माह का स्टॉक आवश्यक रूप से उपलब्ध रहे। इससे कम स्टॉक होने पर तत्काल ई औषधि स्टॉक के आधार दवाइयां भिजवाई जाएं।

24 घंटे काम के लिए स्थापित की जाए पीडब्ल्यूडी चौकी—

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने कहा कि सभी अस्पतालों में बिजली से संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दो इलेक्ट्रिशियन रखे जाएं। साथ ही, उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग को सभी अस्पतालों में सिविल और विद्त दोनों कार्यों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (AMC) करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठेकेदार को अस्पताल परिसर में 24x7 चौकी स्थापित करनी होगी, जिसमें इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, बढ़ई और मिस्त्री तैनात रहेंगे, जो चौबीसों घंटे मरम्मत कार्य के लिए उपलब्ध होंगे।

ऑक्सीजन प्लांट्स की क्रियाशीलता सुनिश्चित हो—

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों में स्थापित ऑक्सीजन प्लांट्स के सुचारू संचालन पर जोर देते हुए कहा कि जहां भी प्लांट्स मेंटीनेंस के अभाव में बंद हैं, उन्हें तुरंत प्रभाव से ठीक करवाकर क्रियाशील किया जाए। साथ ही, ऑक्सीजन रिफिलिंग का भुगतान भी समय पर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में अव्यवस्था पाए जाने पर नोडल अधिकारी एवं संस्थान प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। रोगियों के उपचार में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

बजट घोषणाओं में नहीं हो देरी —

अम्बरीष कुमार ने ई—फाइलों एवं ई—डाक के समयबद्ध निस्तारण, नकारात्मक समाचारों पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को समय पर पूरा करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे ध्यान में रखते हुए घोषणाओ की टाइमलाइन निर्धारित कर उनसे संबंधित कार्यवाही समय पर की जाए। साथ ही, अस्पतालों में सिविल कार्यों को समय पर पूरा करने के साथ ही उनकी गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए।

जेके लोन अस्पताल में देखी स्वास्थ्य सुविधाएं —

इससे पहले चिकित्सा शिक्षा सचिव ने जेके लोन अस्पताल पहुंचकर वहां वार्डों, आईसीयू, जांच लैब, दवा वितरण केंद्र आदि का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों को सुधार के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भीड प्रबंधन एवं क्यू मैनेजमेंट पर काम शुरू किया जाए, ताकि लोगों को कतारों से मुक्ति मिले। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गर्मी के बढ़ते कहर से अलर्ट मोड पर राजस्थान

-पश्चिमी जिलों में स्कूल टाइम बदला

जयपुर। प्रदेश में पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी का असर लगातार देखने को मिल रहा है। गुरुवार को कोटा, अजमेर और जयपुर संभाग में कुछ जगहों पर मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश हुई और अचानक तेज हवाएं चलीं। मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल की शुरुआत में भीषण लू चलने के साथ ही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी थी। इसके बाद एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आंधी बारिश का दौर चला और पारे में गिरावट दर्ज हुई। अब फिर से तापमान में बढ़ोतरी होने के साथ लू चलने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार आंधी बारिश का दौर आगे भी जारी रहेगा। अप्रैल के आखिर में तेज गर्मी पड़ने के साथ भीषण लू चलने से पारा 45 डिग्री के पार पहुंच सकता है।

आज मौसम का हाल : राजस्थान के 9 जिलों में शुक्रवार को लू का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने आज श्रीगंगानगर में हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, झुंझुनू, अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली में गर्मी का येलो अलर्ट है। आज से आगामी में 4-5 दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। मौसम केन्द्र के अनुसार राज्य में शुक्रवार से तापमान में 2 से 4 डिग्री गिरावट होगी। शनिवार 19 अप्रैल को श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, कोटा, बारां और झालावाड़ में हीट वेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 20 अप्रैल से हीट वेव से राहत मिलने की संभावना है। इसके अलावा 18-19 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ भागों में 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से भरी आंधी चलेगी।

गुरुवार को कोटा, अजमेर और जयपुर संभाग में कुछ जगहों पर मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश हुई और अचानक तेज हवाएं चली। इस बीच कल 11 शहरों में दिन का तापमान 43 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। सबसे अधिक तापमान बीकानेर में 45.1 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा बाड़मेर में 45 डिग्री, जैसलमेर और फलोदी में 44.8, चित्तौडगढ़ और चूरू में 44.2 डिग्री, पिलानी में 44.1, कोटा में 43.5, लूणकरणसर में 43.4, भीलवाड़ा और वनस्थली में 43.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। प्रदेश में हनुमानगढ़, पाली और प्रतापगढ़ जिले को छोड़कर बाकी अन्य जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के ऊपर ही रहा। वहीं, राजधानी जयपुर में गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। एक ही रात में यहां का पारा 3।2 डिग्री चढ़कर 42।2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। गुरुवार को शहर में सुबह से ही धूप में तेजी रही और दोपहर में गर्म हवा चलने से भीषण गर्मी रही। जयपुर में अगले 24 घंटे के दौरान हल्के बादल छाए रहने के आसार हैं, लेकिन पारे में में 1 से 2 डिग्री बढ़ोतरी होने से भीषण गर्मी का दौर रहेगा। ऐसे में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचे का अनुमान है। लू की चेतावनी के बीच पश्चिम राजस्थान के तीन जिलों में स्कूलों का टाइम बदला गया है, ताकि भीषण गर्मी के बीच स्कूली बच्चों को राहत मिल सके। बाड़मेर, जैसलमेर और डीडवाना-कुचामन के सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में अब कक्षा 8वीं तक के बच्चों के स्कूल समय में बदलाव किया गया है। दोनों ही जिलों में स्कूल अब सुबह 7:30 से दोपहर 11 बजे तक खुलेंगे। इसके पहले ब्यावर जिले में भी स्कूल का समय बदला जा चुका है।

खान विभाग ने बनाया राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति का रोड़मेप

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य के खान एवं भूविज्ञान विभाग ने वर्ष 2025-26 के राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति का रोड़मेप बनाकर क्रियान्वयन की कार्ययोजना जारी कर दी है। प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने कहा कि प्रबंधकीय दक्षता और एग्रेसिव रणनीति बनाते हुए राजस्व लक्ष्यों को पूरा किया जाएगा। हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी 9228 करोड़ 21 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित कर सर्वाधिक 23.69 प्रतिशत विकास दर के साथ राज्य के राजस्व अर्जन करने वाले विभागों में खान विभाग आगे रहा है।

प्रमुख सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त शुक्रवार को खनिज भवन में निदेशक माइंस दीपक तंवर और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में स्पष्ट निर्देश दे दिए कि खान विभाग राजस्व अर्जन करने वाला प्रमुख विभाग है और ऐसे में राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति में किसी भी स्तर पर कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा खान विभाग की समीक्षा बैठकों के दौरान, वैध खनन को प्रोत्साहन और राजस्व छीजत को रोकने के निर्देश देते रहे हैं। इसके लिए विभाग द्वारा योजनावद्ध तरीके से राजस्व प्राप्ति की रणनीति तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए माइनर और मिनरल ब्लॉक व प्लॉट तैयार कर उनकी समयवद्ध नीलामी के साथ ही न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में स्टे वाले प्रकरणों में प्राथमिकता से स्टे निरस्त कराकर और अन्य प्रकरणों में राशि की वसूली, नीलाम ब्लॉकों व प्लॉटों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने, खनन पट्टों आदि की बकाया किश्तों की वसूली, अवैध खनन या अन्य कारणों से लगाई गई शास्तियों की वसूली के कारगर प्रयास, आरसीसी ईआरसीसी के नोबिड ठेकों की कार्ययोजना बनाकर नीलामी, माइनिंग कंपनियों के अधिशुल्क का निर्धारण और वसूली, जब्त खनिजों की नीलामी और अवैध खनन गतिविधियों की शास्ति राशि की वसूली का रोडमेप बनाते हुए राजस्व संगहण के स्पष्ट निर्देश फील्ड अधिकारियों को दे दिए है। विभाग द्वारा कार्यालयवार राजस्व संग्रहण के मासिक लक्ष्य जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने साफ किया कि स्वयं प्रमुख सचिव स्तर पर वीसी के माध्यम से राजस्व संग्रहण की नियतकालीन मोनेटरिंग की जाएगी। उन्होंने विधानसभा प्रश्नों का समय पर उत्तर भिजवाने, संपर्क पोर्टल के प्रकरणों का निष्पादन, मुख्यमंत्री और मुख्यसचिव कार्यालय से प्राप्त महत्वपूर्ण प्रकरणों का समय पर निस्तारण और प्रकरणों के निष्पादन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने खानों के क्लोजिंग एरर, सिफ्टिंग समस्या और ओवर लेपिंग के प्रकरणों के निराकरण के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने को कहा।

दीपावली तक जोधपुर को मिलेगी नये टर्मिनल भवन की सौगात

-2000 यात्रियों की आवागमन क्षमता होगी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को अपने जोधपुर प्रवास के दौरान जोधपुर एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन नव निर्मित टर्मिनल भवन का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्य की प्रगति की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का अवसंरचना विकास अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, और जोधपुर एयरपोर्ट इसका जीवंत उदाहरण है।

480 करोड़ की लागत, 24,000 वर्ग मीटर में फैला आधुनिक टर्मिनल भवन—

केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि यह नया टर्मिनल भवन लगभग 480 करोड़ रुपए की लागत से 24,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है, जो एक साथ 2000 यात्रियों के आवागमन की क्षमता वाला होगा।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा टर्मिनल, कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा—

नए टर्मिनल भवन में पैसेंजर्स के सामान के लिए कन्वेयर बेल्ट की संख्या एक से बढ़ाकर तीन की गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह टर्मिनल जोधपुर को देश-दुनिया से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। नए बिल्डिंग में छह एरो ब्रिज की सुविधा से पैसेंजर सीधे जहाज में जा सकेंगे। आने और जाने के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट की सुविधा रहेगी । पहले चरण में 300 कारों की पार्किंग की सुविधा होगी ओर 12 एयरक्राफ्ट खड़े होने की सुविधा होगी। नाइट लैंडिंग सिस्टम लगाया जा रहा है, जिससे अब रात में भी विमान उतर सकेंगे। ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण अनुकूल डिजाइन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

टर्मिनल दीपावली तक पूर्ण होने की संभावना —

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि "निर्माण कार्य अंतिम चरण में है और अधिकतम कार्य पूर्ण हो चुका है। हमारा प्रयास है कि दीपावली तक जोधपुरवासियों को इस नए टर्मिनल भवन की सौगात मिल सके।" उन्होंने बताया कि इस टर्मिनल के चालू होने से जोधपुर में अधिक फ्लाइट्स की आवाजाही बढ़ेगी और शहर को देश के अन्य प्रमुख शहरों से सीधे जोड़ा जा सकेगा।

आगामी समय में इंटरनेशनल एयरपोर्ट की दिशा में बढ़ेगा जोधपुर —

उन्होंने कहा कि जोधपुर में आईआईटी, एम्स जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान हैं, जिसके चलते अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी की भी आवश्यकता महसूस होती है। उन्होंने कहा की हमारा अगला लक्ष्य जोधपुर को इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रूप में विकसित करना होगा।

निरीक्षण के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश —

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री शेखावत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो, इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। शेखावत ने कहा की टाइमलाइन के भीतर निर्माण पूर्ण किया जाए ताकि दीपावली से पूर्व संचालन प्रारंभ हो सके। उम्होंने कहा की यात्री सुविधाओं जैसे पार्किंग, सुरक्षा जांच, लाउंज क्षेत्र आदि का योजना अनुसार विस्तृत और समन्वित क्रियान्वयन हो। साथ ही एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के साथ समन्वय बनाकर कार्यों में गति लाई जाए।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

मदर्स डे पोस्टर का भव्य विमोचन समारोह गीतांजली में हुआ संपन्न

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में आगामी 10 मई 2025 को आयोजित होने वाले मदर्स डे समारोह के उपलक्ष्य में आज एक भव्य पोस्टर विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन शनिवार को प्रातः 11:30 बजे, एडमिन ब्लॉक के प्रथम तल स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित हुआ। इस विशेष अवसर पर कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अतिथि के रूप में हिमांशु सिंह राजावत (सर्कल इंस्पेक्टर, वर्तमान में CID-CB क्राइम ब्रांच, उदयपुर), कुलदीप सिंह राव (पूर्व भारतीय टीम कप्तान, तीन बार के स्वर्ण पदक विजेता एवं जिला आइकन), तथा दीपक शर्मा (राष्ट्रीय पिस्टल शूटर एवं राष्ट्रीय बाइक रेसिंग चैंपियन) उपस्थित रहे। इनके साथ ही प्रेक्षा एंटरटेनमेंट्स की निदेशक श्रीमती दीपमाला मेवाड़ा, गीतांजली हॉस्पिटल से स्त्री व प्रसूती रोग विभाग की प्रोफेसर एंड हेड डॉ अंजना वर्मा व उनकी टीम व आई.वी.ऍफ़ से डॉ पूजा गाँधी उत्साहपूर्वक भाग लिया व अपने विचार साझा किये।

कार्यक्रम का संचालन कल्पेश चंद रजबार (हेड मार्केटिंग) एवं सुश्री हरलीन गंभीर (हेड पीआर) द्वारा किया गया। यह आयोजन न केवल मदर्स डे की भव्य शुरुआत थी, बल्कि मातृत्व के सम्मान में समर्पित एक प्रेरणास्पद पहल भी रही। आयोजन का उद्देश्य महिलाओं के योगदान को सम्मान देना और समाज में उनके महत्व को उजागर करना है।

केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा राजनैतिक द्वेषतावश शक्तियों का दुरूपयोग किए जाने को लेकर कांग्रेसजनों ने किया आयकर कार्यालय के सामने प्रदर्शन

शब्बीर हुसैन

बारां.(रॉयल पत्रिका)। केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा अन्यायपूर्ण तथा मनमाने तरीके से ऐतिहासिक नेशनल हेराल्ड की सम्पत्ति को जब्त करने की कार्यवाही तथा कांग्रेस नेतृत्व के विरूद्व ईडी द्वारा बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए चार्जशीट प्रस्तुत करने के विरोध में शुक्रवार 17 अप्रैल को जिला कांग्रेस कमेटी बारां द्वारा केन्द्र सरकार के संस्थान आयकर कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया।

कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा के नेतृत्व में केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा अन्यायपूर्ण तथा मनमाने तरीके से ऐतिहासिक नेशनल हेराल्ड की सम्पत्ति को जब्त करने की कार्यवाही तथा कांग्रेस नेतृत्व के विरूद्व ईडी द्वारा बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए चार्जशीट प्रस्तुत करने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी बारां द्वारा जिला कलक्टर कार्यालय के पीछे स्थित केन्द्र सरकार के संस्थान आयकर कार्यालय के बाहर कांग्रेसजनों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया।

विरोध प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा राजनैतिक विद्वेष के कारण अपनी शक्तियों का दुरूपयोग कर लोकतांत्रिक मूल्यों को ताक में रखकर विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के विरूद्व मनमाने तरीके से कार्यवाही करते हुए ईडी द्वारा चार्जषीट पेश की गई है जो केवल मात्र राजनैतिक प्रतिशोध के कारण केन्द्र की भाजपा सरकार के इशारे पर की गई कार्यवाही है।

विरोध प्रदर्शन के दौरान पानाचन्द मेघवाल पूर्व विधायक, अनुप ठाकुर प्रभारी बारां-अटरू विधानसभा, हंसराज मीणा उदयपुरिया, शिवशंकर यादव सेवादल, बृजेश वर्मा महिला कांग्रेस, घनश्याम नागर, ओमप्रकाश सुमन, धर्मेंद्र यादव, अजीज नाजा, सिद्धार्थ नागर(ब्लॉक अध्यक्ष), अशरफ देशवाली, प्रेमशंकर मेघवाल, असगर अली, बजरंगलाल सुमन, गिरिराज धाकड, सरोज नागर, पिंकी यादव, चमेली यादव, सुमन राठौर, नासिर मिर्जा, पार्षद जाकिर खान, लेखराज शर्मा, शिवराज मीणा, बाबूलाल मेघवाल, लोकेश नागर, चितरंजन पाठक (भोलू), जगमोहन मेहता, इदरीस खान, डॉ. सीमा नगर अध्यक्ष, प्रेमसिंह वार्ड पार्षद, धैर्य नागर, सुरेश शर्मा, अजय चौधरी, बाबूलाल, अन्नू, कमलेश, कमल यादव, सीमा शर्मा, गजानन्द, गजेन्द्र सुमन, बख्तावर, हेमराज शर्मा, प्रेम तामखेडा, हेमराज सुमन, बिट् सुमन, सुल्तान मोहम्मद मण्डोला, मुकुट मीणा, सुरेश चन्द भाण्ड, रामगोपाल मीणा, खेमराज रहलाई समेत कई कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

जिले के नवाचारों को प्रदेश में अपनाया, कलेक्टर काना राम को किया सम्मानित

-नवाचारों की केटेगरी में देश में तीन जिलों में हनुमानगढ़ को मिला सम्मान

हनुमानगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिले में किसानों को अब फसल बीमा क्लेम के लिए चक्कर नहीं काटने पड़ रहे हैं। इसका श्रेय जाता है कलेक्टर काना राम को, जिनके नेतृत्व में कृषि विभाग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल कटाई प्रयोगों को पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाया। इन प्रयासों को अब पूरे प्रदेश में अपनाया जा रहा है। कलेक्टर काना राम को इस नवाचार के लिए शुक्रवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में हुए पीएमएफबीवाई के 12वें राष्ट्रीय समीक्षा सम्मेलन में सम्मानित किया गया। गौरतलब रहे कि नवाचारों की इस केटेगरी में पूरे देश के तीन जिलों को शामिल किया गया था, जिनमें दो कर्नाटक के जिलों सहित हनुमानगढ़ का चयन किया गया था।

नवाचार से मिला लाभ:

पहले आपत्तियों के चलते लटकता था क्लेम, अब खेत में वीडियो-फोटो, सीसीई एप से रिपोर्ट बीते वर्षों में जब भी खेतों में फसल कटाई प्रयोग होते थे, बीमा कंपनी बड़ी संख्या में आपत्तियाँ लगाती थी। इससे किसानों को बीमा क्लेम मिलने में देरी होती थी या वे पूरी तरह वंचित रह जाते थे। खरीफ 2023 में भी कई पटवार मंडलों के क्लेम उच्च स्तर पर लंबित रहे। वहीं, 2022 और 2023 में एक लाख से ज्यादा बीमा पॉलिसियाँ रिजेक्ट की गईं।

इन समस्याओं को दूर करने के लिए रबी 2023-24 और खरीफ 2024 में जिले में कई बदलाव किए गए। फसल कटाई की सूचना बीमा कंपनी को पहले से लिखित रूप में देना अनिवार्य किया गया। हर प्रयोग को CCE एप से अपलोड किया गया। खेत में फसल कटाई, थ्रेसिंग और तौल के समय फोटो और वीडियो बनाना जरूरी किया गया। फसलों के चयन में तकनीक का सहारा लिया गया। बैंक और बीमा कंपनियों के साथ समन्वय के लिए जिला स्तरीय समिति की बैठकें नियमित करवाई गईं।

रिजल्ट दिखा – ना आपत्ति, ना पॉलिसी रिजेक्ट, पहले 1 लाख रिजेक्शन, अब सिर्फ 7 हजार

इन नवाचारों का असर ये हुआ कि रबी 2023-24 और खरीफ 2024 के दौरान बीमा कंपनी ने एक भी आपत्ति दर्ज नहीं की। रबी सीजन में किसानों को क्लेम समय पर मिल चुका है और खरीफ 2024 के क्लेम की गणना भी पूरी हो गई है, जल्द वितरण शुरू होगा।

जहां 2022 और 2023 में 1 लाख से ज्यादा पॉलिसियाँ रिजेक्ट हो गई थीं, वहीं 2024 में यह संख्या घटकर सिर्फ 7,000 रह गई। इसका मतलब है कि अधिकतर किसानों को अब उनका हक समय पर मिल रहा है।

राज्य सरकार ने अपनाया जिले का मॉडल

जिले के इस मॉडल को राजस्थान कृषि विभाग ने खरीफ 2024 से पूरे राज्य में लागू कर दिया है। यह जिले के लिए गर्व की बात है और कलेक्टर काना राम के प्रयासों की बड़ी सफलता मानी जा रही है।

एक मुश्त समाधान योजना का लाभ 30 सितंबर 2025 तक

बारां, (रॉयल पत्रिका)। अनुजा निगम परियोजना प्रबन्धक शुभम नागर ने बताया कि राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम बारां के समस्त ऋणियों के लिए प्रबंध निदेशक निगम मुख्यालय, जयपुर द्वारा एकमुश्त समाधान योजना लागू की है। जिसमें ऋणी के ब्याज$दण्डनीय ब्याज की छूट है। ऋणी केवल मूल राशि को जमा कर नोड्यूज प्राप्त कर सकता है। इस योजनान्तर्गत 1 मई से 30 सितंबर 2025 तक ऋणी अपनी मूल राशि को चैक के माध्यम से या सीधे कार्यालय के बैंक अकाउंट में जमा कर सकता है। उक्त तिथि के पश्चात यह योजना स्वतः ही बंद हो जाएगी। अतः अधिक से अधिक ऋणी इस योजना का लाभ उठाए।

जिला कलक्टर ने समर्थन मूल्य गेहूं खरीद केंद्रों, पीएचसी भंवरगढ़ व सहरिया बस्ती का किया निरीक्षण

-व्यवस्थाएं दुरुस्त एवं गर्मी से बचाव के दिए निर्देश

शब्बीर हुसैन

बारां.(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने शुक्रवार को शाहाबाद क्षेत्र की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) भंवरगढ़ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं, दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति एवं मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। कलक्टर तोमर ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का भी जायजा लिया और गर्मी के मौसम को देखते हुए अस्पताल में पंखों, कूलरों और ठंडे पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्मी से होने वाली बीमारियों जैसे लू, डिहाइड्रेशन आदि से बचाव के लिए सतर्क रहने तथा आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलक्टर तोमर ने पीएम जनमन आवास, सहरिया बस्ती सहरोद तलहटी, शाहबाद हथवारी स्थित सहरिया बस्ती का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बस्ती में रह रहे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सहरिया समुदाय के लिए संचालित योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। साथ ही, गर्मी से प्रभावित लोगों के लिए पेयजल, छाया एवं स्वास्थ्य सहायता की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए।

जिला कलक्टर ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

जिला कलक्टर ने समर्थन मूल्य गेहूं खरीद केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने गेहूं की तुलाई व्यवस्था, संग्रहण, लोडिंग तथा वेयरहाउस में भंडारण प्रक्रियाओं की बारीकी से समीक्षा की।

उन्होंने खरीद केंद्रों पर कार्यों को और अधिक सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गर्मी के मौसम को देखते हुए कलक्टर तोमर ने केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल एवं छाया की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान कलक्टर ने समर्थन मूल्य खरीद केंद्रों पर मौजूद जिला स्तरीय समन्वय समिति के सदस्य सचिव एवं उप रजिस्ट्रार ललित कुमार मीना को निर्देशित किया कि छाया, पानी तथा अन्य कृषक सुविधाओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए आवश्यक सुधार की जानकारी जिला रसद अधिकारी को अविलंब अवगत कराएं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से नियमित निगरानी एवं किसानों को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एडीएम जबर सिंह, एसडीएम मुकेश मीणा, सीएमएचओ संजीव सक्सेना, उप रजिस्ट्रार सहकारी समितियां ललित कुमार मीना एवं तहसीलदार किशनगंज अभयराज सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने रात्रि चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु गुरूवार को पंचायत समिति सवाई माधोपुर की ग्राम पंचायत छारोदा स्थित भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया।

रात्रि चौपाल के दौरान कलक्टर ने छारोदा सहित आसपास के ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को प्राप्त परिवादों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

चौपाल के दौरान ग्रामीणों द्वारा ग्रेवल सड़क निर्माण, विद्यालय के खेल मैदान का सीमांकन कर अतिक्रमण हटाने, खुले कुएं को ढकवाने, दिव्यांग पेंशन स्वीकृत करवाने, हैडपंप लगवाने, भूमि का आबादी क्षेत्र में रूपांतरण सहित कुल 14 मामले प्रस्तुत किए गए। कलक्टर ने अधिकांश समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया तथा शेष प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देश दिए।

उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता भगवान सहाय मीणा को ग्रीष्मकालीन अवधि को ध्यान में रखते हुए पेयजल की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस रात्रि चौपाल में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुंवार कस्वा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेंद्र सिंह, उपनिदेशक आईसीडीएस प्रियंका शर्मा, तहसीलदार सवाई माधोपुर सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रणथम्भौर की दीवारों पर उकेरी जंगल की जीवंत कहानियां

- राजकुमार शाक्यवाल की अनूठी कला पहुंची विदेशों तक

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्वप्रसिद्ध रणथम्भौर टाइगर रिजर्व बाघों और वन्यजीवों के लिए मशहूर है, वहीं अब यह क्षेत्र चितेरे कलाकारों की कला का भी अद्त केंद्र बनता जा रहा है। इन्हीं कलाकारों में एक राजकुमार शाक्यवाल है जिन्होंने अपने चित्रों के माध्यम से रणथम्भौर को एक नई पहचान दी है। उनकी कलाकृतियां न सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी सराही जा रही हैं।

राजकुमार शाक्यवाल का जन्म 1 जनवरी, 1978 को मोईकलां (बांरा जिला) में हुआ। उन्हें बचपन से ही जीव-जंतुओं के चित्र बनाने का शौक था। सातवीं कक्षा में शुरू हुआ यह शौक दसवीं तक आते-आते उनके लिए कमाई का साधन भी बन गया। बायलोजी की प्रैक्टिकल फाइल्स बनाकर उन्हें एक फाइल के 200 रुपये तक मिलने लगे। यहीं से उनके कलाकार जीवन की नींव पड़ी।

15 वर्ष की उम्र में राजकुमार ने एक टाइगर पेंटिंग सदर कोतवाली के थानेदार घांसीराम को भेंट की, जिससे प्रभावित होकर उन्होंने राजकुमार को सवाई माधोपुर शहर के प्रसिद्ध कलाकार के पास भेजा, जहाँ उन्होंने छह माह तक चित्रकला की बारीकियां सीखीं। इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया से आए एक फिल्मकार दंपत्ति ने उन्हें रणथम्भौर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म में बाल कलाकार के रूप में चुना।

उनके पेंटिंग के जुनून ने उन्हें जयपुर खींच लिया, जहां उन्होंने दो वर्षों तक पोर्ट्रेट और सिनेमा पोस्टर्स बनाना सीखा। बाद में वे सवाई माधोपुर लौट आए और रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से जुड़ी कई महत्वपूर्ण लोकेशनों पर पेंटिंग्स बनाकर अपनी कला का परचम लहराया।

कोटा दर्रा के कनवास रेन्ज में पक्षियों व वन्य जीवों की पेंटिंग बनाई। वहीं सवाई माधोपुर में गणेशधाम प्रवेश द्वार, वन विभाग कार्यालय, सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन, आलनपुर नर्सरी, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (बूंदी), मुंबई स्थित मुंबादेवी मंदिर, कोलकाता के गरियाहाट में 9 मंदिर उनके उल्लेखनीय कार्यस्थलों में शामिल है। राजकुमार शाक्यवाल द्वारा बनाई गई दीवार चित्रकारी में सजीव होते वन्यजीव जैसे मगरमच्छ, सारस, तेंदुआ, खरगोश और हिरण स्पष्ट दिखाई देते हैं। इन चित्रों की बारीकी और यथार्थता उनकी कलात्मक दक्षता को दर्शाती है।

प्रसिद्ध लेखक व पर्यावरणविद् वाल्मीकि थापर के निर्देशन पर डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ. द्वारा रेलवे स्टेशन के प्रोजेक्ट में उन्हें पेंटिंग का अवसर मिला, जिससे उन्हें व्यापक पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने भरतपुर के घाना पक्षी विहार, नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क, कोटा रेलवे स्टेशन समेत कई स्थानों पर वन्यजीवों की जीवंत चित्रकारी की।

राजकुमार न केवल अपनी कला से जीविका अर्जित कर रहे हैं, बल्कि अपने चित्रों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों के प्रति जागरूकता का संदेश भी दे रहे हैं। उनकी कला रणथम्भौर की जैव विविधता को दीवारों पर जीवंत रूप से उतारती है, जिससे हर दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठता है।

घुमनसर खुर्द की लाडली तीसरी बार खेली नेशनल, मैडल भी जीता

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। जिले के बगड़ के समीप घुमनसर खुर्द गांव की लाडली बेटी ने लगातार तीसरी बार राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए नेटबॉल की सब जूनियर प्रतियोगिता में नेशनल खेलकर मैडल जीता है। घुमनसर खुर्द निवासी रामावतार गेट ने बताया कि उनकी 13 वर्षीय आठवीं कक्षा में पढने वाली बेटी तन्वी नेटबॉल की खिलाड़ी है। पहले भी वह दो बार राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए चैन्नई और भिवानी में हुए राष्ट्रीय मुकाबलों में अपना खेल कौशल प्रदर्शित कर चुकी है। अभी हाल ही में भिवानी हुई हुई राष्ट्रीय नेटबॉल सब जूनियर प्रतियोगिता में तन्वी ने राजस्थान की टीम की कप्तानी की। तन्वी ने सिंगल मुकाबलों में ब्रॉन्ज और टीम मुकाबले में सिल्वर मैडल जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। तन्वी के कोच केके सर ने बताया कि तन्वी की पकड़ नेटबॉल में काफी अच्छी है। जिसके कारण उसने लगातार तीसरा नेशनल मुकाबला राजस्थान के लिए खेला है। तन्वी की इस उपलब्धि पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिनेश सुंडा समेत अन्य लोगों ने बधाई दी है।

वक़्फ़ बिल के खिलाफ सवाई माधोपुर में विरोध प्रदर्शन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर पुराने शहर के जामा मस्जिद के सामने आज जूमे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोग एकत्रित हुए। जिन्होंने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बैनर तले अपना एहतिजाज दर्ज करवाया। कड़ी धूप में भी बड़े बुजुर्ग नौजवानों ने अपने हुकूक की लड़ाई के लिए हुकूमत के काले कानून का विरोध शांतिपूर्ण तरीके से ये विरोध प्रदर्शन रैली रही। विरोध प्रदर्शन में शहर के क़ाज़ी निसार उल्लाह,काजी मोहम्मद इरफ़ान उल्लाह, मौलावी जमील, रिटायर्ड तहसीलदार जफर अहमद अमीन, मास्टर असलम, अफसार नाशरी, अखलाक हुसैन, हाफिज राशिद, मोहम्मद काशिफ अन्य समाज के जिम्मेदार लोग मौजूद रहे।

प्यासे पक्षियों की प्यास को बुझाना पुण्य का कार्य है - गर्ग

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जेवीवीएनएल शाहपुरा के अधिशाषी अभियंता श्री सुरेश चन्द्र गर्ग ने कहा कि झुलसा देने वाली सूर्य की किरणें व आग की तरह धधकती हुई जमीन से उमस बनती है और इससे ब्लडप्रेशर कम व अधिक होता है ऐसे में प्यास और तेज लगती है अगर समय पर पानी नही मिले तो पक्षी तड़प तड़प कर मर जाते है ऐसे में प्यासे पक्षियों की प्यास को बुझाने के लिए परिंडे को लगाकर पुण्य का कार्य करे,

यह शब्द गर्ग ने जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड शाहपुरा के अधिशाषी अभियंता कार्यालय के प्रांगण में परिंडा लगाने के बाद में उपस्तिथ कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहे।

गर्ग ने कहा कि जीवन अनमोल है लापरवाही से बचकर रहना है! सभी कर्मचारी सुरक्षित रहते हुए विद्त कार्य करे व निगम को सदैव लाभ पहुचाए और उपभोक्ताओं को राहत पहुचाए।

इस अवसर पर कर्मचारी नेता अरूण कुमार, कर्मचारी नेता दिलीप कुमार, रामसिंह व हंसा के द्वारा पक्षियों के लिए परिंडा लगाया गया।

बाबा के आए हुए जायरिनों की सेवा करने से दिल को सुकून मिलता है – डॉ. रिजवान अहमद

मनोहरपुर,(रॉयल पत्रिका)। डॉक्टर रिजवान अहमद वरिष्ठ यूनानी डॉक्टर, राजकीय यूनानी अस्पताल ताला ने कहा कि हजरत बुर्रहानुद्दीन चिश्ती बाबा के आए हुए जायरिनों की सेवा करने से दिल को सुकून मिलता है - यह शब्द डॉक्टर रिजवान अहमद ने मेले में अपनी ड्यूटी के दौरान मरीजो को देखने के बाद में कहे।

डॉक्टर रिजवान अहमद ने कहा कि मीठे बोल व मधुर व्यवहार से बीमार जल्दी ठीक हो जाते है।

उन्होंने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को कहा कि जिस क्षेत्र में आप काम कर रहे हो मरीज आपको भगवान के रूप में देखता है मरीज बीमारी के कारण परेशान होता है ऐसे में मरीजो के साथ मे अच्छा व्यवहार हो सरलता और सौम्यता (मीठे बोल के साथ मधुर व्यवहार) से आधी बीमारी ख़त्म हो जाती है।

उन्होंने कहा कि अक्सर डॉक्टर 10 - 12 घण्टे की ड्यूटी के अलावा भी कई घण्टे अतिरिक्त ड्यूटी देते है।

उन्होंने कई मरीजो को देखा व मधुर व्यवहार से उनका इलाज किया इस पर जायरिनों ने डॉक्टर व उनके स्टाफ का शुक्रिया अदा किया।

स्पेस साइंस में बेहतर करियर के लिए करें ये कोर्स

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के कारण आज नए-नए कॅरियर विकल्प युवाओं के लिए खुल रहे हैं, इन्हीं में से एक है स्पेस साइंस। क्या अनंत आकाश आपको अपनी ओर आकर्षित करता है, क्या आपमें ब्रह्माण्ड के रहस्य सुलझाने का जज्बा है, क्या धैर्य और बुद्धि आपके प्लस पॉइंट हैं। यदि हां, तो अंतरिक्ष विज्ञान आपको पुकार रहा है। देश के सैटेलाइट लॉन्चिंग का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में धाक जमने लगी है, जिसके कारण यहां के युवा वैज्ञानियों के के लिए भारतीय व विदेशी अंतरिक्ष विज्ञान के दरवाजे खुलने लगे हैं। इस समय भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो न केवल भारत के उपग्रह अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित कर रहा है।

आसमान का संसार

अंतरिक्ष विज्ञान वह शाखा है, जिसके अंतर्गत पृथ्वी से परे करोड़ों ग्रहों, उपग्रहों, तारों, धूमकेतुओं, आकाशगंगाओं एवं अन्य अंतरिक्षीय पिंडों का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा अंतरिक्ष विज्ञान के अंतर्गत उन नियमों एवं प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है, जो इन्हें संचालित करते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में करियर उन हजारों रहस्यों से पर्दा उठाने का अवसर भी होता है, जो अभी तक अनसुलझे हैं। यह न केवल वैज्ञानिक स्वभाव की परीक्षा होती है, बल्कि आपकी जिज्ञासाएं भी स्तर-दर-स्तर शांत होती जाती हैं। इसे अपना करियर चुनने वाले जहां देश के बेस्ट ब्रेन कैटेगरी में शुमार किए जाते हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बुद्धिजीवी के रूप में उनकी विशिष्ट पहचान बनती है।

क्या है स्पेस साइंस

स्पेस साइंस या स्पेस टेक्नोलॉजी बहुत बड़ा क्षेत्र है। इसके तहत एस्ट्रोनॉमी व एस्ट्रोफिजिक्सए प्रामेट्री एटमॉस्फियर और एयरोनॉमीए अर्थ साइंसेस और सोलर सिस्टम की पढ़ाई आती है। आज के दौर में स्पेस साइंस की कई सब-ब्रांचेज भी हैं। इनमें से मुख्य है कॉस्मोलॉजी, स्टेलर साइंस, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोलॉजी आदि। साइंस और इंजीनियरिंग की ये शाखाएं अंतरिक्ष के चारों तरफ घूमती हैं।

जरूरी योग्यताएं

अंतरिक्ष विज्ञान में करियर बनाने के लिए सबसे पहले आपको 11वीं कक्षा में गणित विषय लेना होगा, 12वीं गणित में उत्तीर्ण करने के बाद आपको बीएससी की डिग्री लेनी होगी, जहां आपके विषयों में फिजिक्स एवं गणित भी होना जरूरी है। साइंस से स्नातक होने के बाद आप एस्ट्रोनॉमी थ्योरी या एस्ट्रोनॉमी ऑब्जर्वेशन कोर्स चुन सकते हैं। वहीं मास्टर्स डिग्री के बाद विशिष्ट कोर्सेज में प्रवेश लिया जा सकता है। यदि आप बारहवीं के बाद इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल कम्युनिकेशन में बीई करते हैं, तो आप इंस्ट्रूमेंट एस्ट्रोनॉमी या एक्सपेरिमेंटल एस्ट्रोनॉमी के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ने पर आगे एस्ट्रोनॉमी में पीएचडी भी कर सकते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में देश में केवल मास्टर स्तर व पीएचडी प्रोग्राम ही विश्वविद्यालयों में सामान्यत उपलब्ध हैं। वहीं एक वर्षीय ज्वॉइंट एस्ट्रोनॉमी प्रोग्राम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू चलाती है। यह प्रोग्राम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, रमण रिसर्च इंस्टीट्यूट और टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई के साथ मिलकर चलाया जाता है। कोर्स की समाप्ति के बाद आपको इन्हीं इंस्टीट्यूट्स में से एक में पीएचडी की भी ऑफर दी जाती है।

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए यह गुण जरूरी

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए कई गुण बहुत जरूरी है, उसमें से एक है आकाश में तारों के पैटर्न, उनकी हलचल आदि का अध्ययन करना। यह बहुत लंबा और समय लेने वाला पेचीदा काम है। इसलिए धैर्य इस पेशे का पहला व सबसे जरूरी गुण भी है। वहीं अगली बेहद जरूरी विशेषता आपका जिज्ञासु होना है। इस फील्ड में पूरे आत्मविश्वास और उत्साह से रहस्यमयी प्रश्नों के उत्तर तलाशने होते हैं। आपमें चीजों के प्रति साइंटिफिक एप्रोच के अलावा प्रोग्रामिंग स्किल भी बेहतरीन होनी जरूरी है।

स्पेस साइंस में ये करियर ऑप्शन

एस्ट्रोनॉमी

स्पेस सांइस में एक एस्ट्रोनॉमी का कार्य आउटर स्पेस का रिसर्च करना होता है। इसमें सौर मंडल, तारे, आकाशगंगा, ग्रह आदि शामिल होता है। जिस पर ये जमीन से ही रिसर्च कर यहां पर होने वाली विभिन्न घटनाओं का पता लगाते हैं।

एस्ट्रोनॉट

एस्ट्रोनॉट के बारे में लगभग सभी लोग जानते हैं, ये वो लोग होते हैं, जो अंतरिक्ष में चहलकदमी कर अपने सपनों को पूरा करते हैं। इनका कार्य स्पेस स्टेशन पर रहकर रिसर्च करना है। इन्हें स्पेस स्टेशन में महीनों रहना पड़ता है।

स्पेस टेक्नोलॉजी

इस फील्ड में स्पेस टेक्नोलॉजी का करियर भी काफी शानदार माना जाता है। इसमें सेटेलाइट, स्पेस स्टेशन, स्पेसक्रॉफ्ट, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर इक्यूमेंट को डिजाइन करने का कार्य किया जाता है।

स्पेस इंजीनियरिंग

स्पेस इंजीनियर का सबसे प्रमुख कार्य होता है। ये किसी भी स्पेस अभियान से जुड़े सभी इक्यूमेंट को डिजाइन करते हैं। यहां पर एयरोस्पेस, रोबोटिक्स, मटेरियल साइंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग के साथ ही मैकेनिकल और टेलीकॉम इंजीनियरिंग जैसे कई फील्ड में इंजीनियर कार्य करते हैं।

स्पेस रिसर्च

इस काफी व्यापक फील्ड माना जाता है। स्पेस रिसर्च में अलग-अलग फील्ड के विशेषज्ञ शामिल होते हैं। जैसे- एस्ट्रोफिजिसिस्ट, बायोलॉजिस्ट, बायोकैमिस्ट और बायोफिजिसिस्ट, जियोलॉजिस्ट और एस्ट्रोबायोलॉजिस्ट। ये सभी अपनी विशेषता के अनुसार कार्य करते हैं।

स्पेस लॉ

आंतरिक्ष के क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों को नियंत्रित करने वाला लॉ है। इसमें देशों व कंपनियों के बीच समझौतों, संधियों, सम्मेलनों और संगठनों के नियमों की जानकारी हासिल की जाती है। आज के समय में जिस तरह स्पेस में भीड़ बढ़ रही है, उसे देखते हुए स्पेस लॉ में अच्छा करियर ऑप्शन बन सकता है।

स्पेस टूरिज्म

स्पेस के फील्ड में यह सबसे तेजी से उभरता हुआ फील्ड है। इसमें अब कई नई प्राइवेट कंपनियां आ रही हैं। यहां पर युवाओं के लिए करियर बनाने का शानदार मौका है। आज के समय में स्टेस टूरिज्म के क्षेत्र में वर्जिन गेलेक्टिक, ब्लू ओरिजिन, ओरियन, स्पेसएक्स, ओरियन स्पैन और बोइंग जैसी कंपनियां लगी हुई हैं।

हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है इस फील्ड को

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान, इस फील्ड में होगी लाखों की कमाई

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

इस क्षेत्र में काम तेजी से बढ़ रहा

कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्या चाहिए क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

यहां से करें हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

अपोलो इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
एम्स, नई दिल्ली

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है।

40 से 50 हजार रुपये सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी। यह एक ऐसा फील्ड है जिसमें आने वाले समय में करियर बनाने के काफी स्कोप है। आज के आधुनिक समय में लोगों को किसी भी बीमारी का सामना करना पड़ता है तो लोग तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती होते हैं। कोरोना के दौरान जब लाखों की संख्या में लोग अस्पतालों में भर्ती हुए तो उस समय मैनेजमेंट सिस्टम पूरी तरह चरमरा गया था

कर सकते हैं फुल टाइम वर्क भी

12वीं के बाद करें गेम डिजाइनिंग का कोर्स, कॅरियर ग्रोथ के साथ मिलेगा लाखों रुपये का पैकेज

अगर आप भी 12वीं के बाद किसी ऐसे कोर्स की तलाश में हैं, जहां पर आपके कॅरियर ग्रोथ के साथ अच्छा पैसा कमा सकें। तो बता दें कि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक बेहतरीन कॅरियर आप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गेमिंग इंडस्ट्री के बारे में जरूरी जानकारी देने जा रहे हैं। बता दें कि इस फील्ड में आने के बाद आपको किस तरह का कॅरियर ग्रोथ मिलेगा। इस फील्ड में आने के लिए क्या क्वालिफिकेशन चाहिए होती है, इन सारे सवालों के जवाब आपको इस आर्टिकल में मिलेंगे। ऐसे में अगर आप भी 12वीं के बाद किसी बेहतरीन फील्ड की तलाश में हैं, तो गेमिंग फील्ड आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। वर्तमान समय की बात करें तो देश में गेमिंग इंडस्ट्री में 50,000 से ज्यादा लोग फुल टाइम वर्क कर रहे हैं। जिसमें से 30 फीसदी लोग प्रोग्रामर और डेवलपर के तौर पर काम कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2022-23 में यह फील्ड 20-30 प्रतिशत की दर से ग्रोथ करेगा। वहीं इस फील्ड में डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तौर पर लाखों की संख्या में जॉब्स पैदा होने की संभावनाएं हैं।

गेम डिजाइनर

गेम डिजाइनर गेम के कैरेक्टर्स, गेम के लेवल के अलावा तमाम बारीकियों को ध्यान में रखकर उसे इंट्रेस्टिंग बनाने पर फोकस करते हैं। वहीं गेम राइटर डायग्राम आदि बनाकर उसके अलग-अलग वर्जन को तैयार करते हैं। गेम डिजाइनर को टेक्निकल नॉलेज होने के साथ ही सोच में क्रिएटिविटी भी होनी चाहिए। गेम तैयार करने के लिए उसकी डिजाइन, डेवलपर्स, आर्टिस्ट्स और अन्य प्रोफेशनल की टीम एक साथ वर्क करती है।

क्वालिफिकेशन

- छात्र ने साइंस स्ट्रीम से 12वीं पास किया हो।
- कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर की नॉलेज होना जरूरी होता है।
- गेम डिजाइनर बनने के लिए आपकी इंग्लिश भाषा पर अच्छी पकड़ होनी जरूरी है।
- इस फील्ड में आप गेम डिजाइनिंग, गेम डेवलपिंग, आर्ट, एनिमेशन, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर ग्राफिक्स, इलस्ट्रेशन या मार्केटिंग में बैचलर डिग्री या पेशेवर सर्टिफिकेशन कोर्स कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

- गेमिंग फील्ड में कॅरियर बनाने वाले स्टूडेंट्स के पास कैरेक्टर डिजाइन, एनिमेशन, कांसेप्ट आर्ट और विजुअल इफेक्ट की जानकारी होनी चाहिए।
- इस फील्ड में 2 डी गेम डेवलपर्स, 3 डी गेम डेवलपर्स और जावा आदि में अपार संभावनाएं हैं।
- इस फील्ड में डिजाइनिंग के साथ 2डी सॉफ्टवेयर और 3डी मॉड्यूलिंग की नॉलेज होना बहुत जरूरी है।
- ऑडियो इंजीनियर के लिए युवाओं के पास साउंड इंजीनियरिंग और अन्य लैंग्वेज की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

जॉब प्रोफाइल

इस फील्ड में युवा एनिमेटर, क्यूएक टेस्टर, ऑडियो इंजीनियर, गेम डिजाइनर, गेम डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और प्रोड्यूसर, मैनेजर्स, कास्टर्स, ईस्पोर्ट्स प्रोफेशनल्स, स्ट्रीमर्स, इंफ्यूएंसर्स के तौर पर अपना कॅरियर बना सकते हैं।

नकली समाचार का खतरा और युवाओं का डिजिटल मंचों की ओर झुकाव

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज के डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह इतना तेज है कि सही और गलत जानकारी के बीच अंतर करना मुश्किल हो गया है। नकली समाचार, जिसे अंग्रेजी में "फेक न्यूज" कहा जाता है, युवाओं के लिए एक गंभीर खतरा बन चुका है। यह न केवल उनकी सोच को प्रभावित करता है, बल्कि उनकी मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर भी असर डालता है। यही कारण है कि आज की युवा पीढ़ी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से दूरी बनाकर डिजिटल मंचों की ओर अधिक आकर्षित हो रही है। इस लेख में हम नकली समाचार के खतरों, युवाओं के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से दूरी बनाने के कारणों और पढ़ाई में बेहतर करने के लिए प्रेरणा के तरीकों पर चर्चा करेंगे।

गलत और भ्रामक जानकारी दी जा रही

नकली समाचार का युवाओं पर प्रभाव

नकली समाचार ऐसी जानकारी होती है जो जानबूझकर गलत या भ्रामक होती है। यह सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, और अन्य डिजिटल मंचों के माध्यम से तेजी से फैलती है। युवा, जो अपने विचारों को आकार देने के लिए सूचनाओं पर निर्भर रहते हैं, अक्सर ऐसी खबरों का शिकार हो जाते हैं। इसके कुछ प्रमुख प्रभाव हैं:

गलत धारणाएं बनना: नकली समाचार युवाओं में गलत विश्वास पैदा करते हैं, जैसे किसी समुदाय, व्यक्ति या घटना के प्रति नफरत या गलत धारणा।

मानसिक तनाव: भ्रामक खबरें डर, चिंता और अविश्वास को बढ़ावा देती हैं, जिससे युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

समय की बर्बादी: ऐसी खबरों को पढ़ने और उन पर बहस करने में युवा अपना कीमती समय खो देते हैं, जो उनकी पढ़ाई और करियर पर असर डालता है।

सामाजिक विभाजन: नकली समाचार समाज में विभाजन पैदा करते हैं, जिससे युवा अपनी एकता और सामाजिक मूल्यों को खोने लगते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से दूरी क्यों?

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, जैसे टीवी न्यूज चैनल, अक्सर सनसनीखेज और अतिशयोक्तिपूर्ण खबरें दिखाते हैं। ये खबरें दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन इनमें सच्चाई की कमी होती है।

टीवी पर एकतरफा कवरेज

विश्वास की कमी: युवा न्यूज चैनलों पर भरोसा नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि ये चैनल पक्षपातपूर्ण या प्रायोजित हैं।

डिजिटल मंचों की स्वतंत्रता: सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर युवाओं को अपनी पसंद की सामग्री चुनने की आजादी मिलती है, जो उन्हें इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से ज्यादा आकर्षक लगती है।

सूचना की अधिकता: डिजिटल मंचों पर युवा कई स्रोतों से जानकारी ले सकते हैं और तुलना कर सकते हैं, जबकि टीवी पर एकतरफा कवरेज मिलता है।

मनोरंजन का विकल्प: डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मनोरंजन, शिक्षा और समाचार एक साथ उपलब्ध हैं, जो युवाओं को अधिक उपयोगी लगता है।

यहां कुछ तरीके दिए गए हैं, जिनसे युवा खुद को प्रेरित कर सकते हैं:

लक्ष्य निर्धारित करें: छोटे और बड़े लक्ष्य बनाएं, जैसे रोजाना एक नया टॉपिक पढ़ना या सप्ताह में एक कौशल सीखना। यह प्रगति का अहसास दिलाएगा।

सूचना सत्यापन: हर खबर को बिना जांचे स्वीकार न करें। विश्वसनीय स्रोतों जैसे किताबें, शैक्षिक वेबसाइट्स और विशेषज्ञों की राय पर भरोसा करें।

समय प्रबंधन: सोशल मीडिया और न्यूज देखने का समय सीमित करें।

सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से उस यंत्र का नाम बताइए जो कम्प्यूटर को टेलीफोन लाइनसे जोड़ता है
(ए) स्कैनर
(बी) मॉडेम
(सी) सी.डी.रोम
(डी) प्रिंटर

2. कम्प्यूटर सिस्टम के किस भाग को भौतिक रूप से स्पर्श किया जाता है
(ए) डाटा
(बी) ओएस
(सी) हार्डवेयर
(डी) सोफ्टवेयर

3. डॉट मेट्रिक्स किसका एक प्रकार है
(ए) टेप
(बी) डिस्क
(सी) प्रिंटर
(डी) बस

4. सीडी-रोम है एक?
(ए) सेमीकंडकटर मेमोरी
(बी) मैग्नेटिक मेमोरी
(सी) मेमोरी रजिस्टर
(डी) इनमे से कोई नही

5. एकछोटे सिलिकॉन चिप पर ट्रांजिस्टरों और अन्य इलेक्ट्रोनिक उपकरणों के साथ पोर्न इलेक्ट्रोनिक सर्केट को.....कहते है
(ए) वर्क स्टेशन
(बी) सीपीयू
(सी) मैग्नेटिक डिस्क
(डी) इंटिग्रेटेड सर्किट

6. ....कम्प्यूटर को बताती है की इसके उपकरणों का प्रयोग कैसे करण चाहिए
(ए) यूटिलिटी
(बी) नेटवर्क
(सी) एप्लीकेशन
(डी) ओपी

7. सी, बेसिक, केबोल और जावा ...... भाषाओं के उदहारण है
(ए) लो लेबल
(बी) कम्प्यूटर
(सी) सिस्टम प्रोग्रामिंग
(डी) हाई लेबल

उत्तर 1.(बी) 2.(सी) 3.(सी) 4.(बी) 5.(डी) 6.(डी) 7.(डी)

इन मुस्लिम अभिनेत्रियों ने

हिंदू नाम रखकर कमाई खूब शोहरत

बॉलीवुड में कई ऐसी अभिनेत्रियां हुईं, जिन्होंने अपनी अदाकारी और खूबसूरती से लोगों को दीवाना बना दिया। उनके अभिनय की लोग आज भी सराहना करते हैं। हम बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों को बारे में जानेंगे, जिनके नाम को सुनकर लगता है कि वो हिंदू है, लेकिन हकीकत में वह मुस्लिम हैं। इन सभी ने अपना नाम बदलकर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई और खूब नाम कमाया।

तब्बू

अभिनेत्री तब्बू ने बॉलीवुड ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी खूबसूरती और एक्टिंग के लाखों दीवाने हैं। उन्होंने कई हिट और सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री का असली नाम तबस्सुम फातिमा है।

रीना रॉय

80 के दशक की अभिनेत्री रीना रॉय ने अपनी अदाकारी से बहुतों को प्रभावित किया है। उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। अभिनेत्री ने का असली नाम सायरा अली है।

मीना कुमारी

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। 'ट्रेजडी क्वीन' के नाम से मशहूर अभिनेत्री को भारत की सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक माना जाता हैं। उनकी अदाकारी और खूबसूरती का आज भी लोग तारीफ करते हैं। अभिनेत्री का असली नाम मीना कुमारी नहीं, बल्कि 'महजबीं बानो' था। अपने 33 साल के करियर में उन्होंने 90 से ज्यादा फिल्में की हैं।

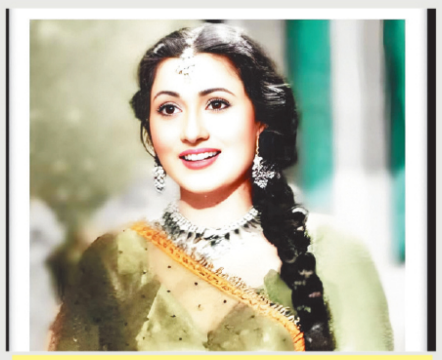

मधुबाला

मधुबाला के अभिनय कौशल और सुंदरता की प्रशंसा करते हुए आज भी लोग नहीं थकते। उन्होंने भारतीय सिनेमा में अतुलनीय योगदान दिया है। वह अपने दौर की सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। मधुबाला का असली नाम मुमताज जहां बेगम देहलवी था। हालांकि, लंबे समय तक उनके प्रशंसक उन्हें नाम की वजह से हिंदू ही समझते रहे हैं।

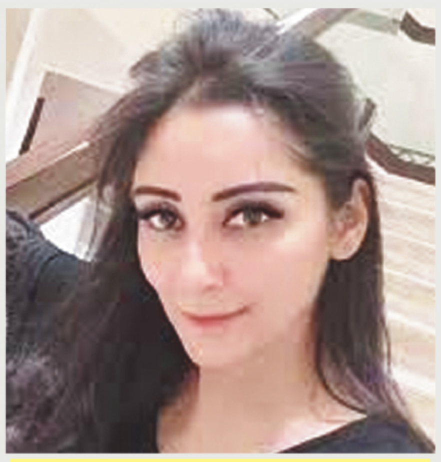

मान्यता दत्त

संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त का नाम भी इस सूची में शामिल है। संजय दत्त से शादी करने से पहले वह फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मान्यता का असली नाम दिलनवाज शेख है।

नुसरत ने साझा किया 'छोरी' के सेट का डरावना अनुभव

अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने हाल ही में अपनी फिल्म 'छोरी 2' को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने इस्राइल से जुड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने पीएम मोदी से अपनी हालिया मुलाकात पर भी चर्चा की और उनसे मिलने के अनुभव के बारे में बताया।

जीवन के अनुभवों का किरदार के लिए करती हैं इस्तेमाल

नुसरत से जब पूछा गया कि क्या छोरी 2 के किरदार का दर्द अपने अंदर लाने के लिए उन्होंने इस्राइल में हुई घटना की मदद ली? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'हर कैरेक्टर और कहानी अलग होती है। सभी के लिए कुछ न कुछ रेफरेंस की जरूरत होती है। हां जब मुझे एक्सट्रीम इमोशन दिखाना होता है या एक्ट करना हो तो मैं अपने जीवन के अनुभवों को यूज करती हूं। हालांकि, 'छोरी' और छोरी 2 की शूटिंग मेरे साथ इस्राइल में हुई घटना से पहले ही शूट हो चुकी थी। ऐसे में इस फिल्म में रेफरेंस के तौर पर मैंने अपनी पिछली जिंदगी से कुछ चीजें यूज की थी।

पीएम मोदी से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात

2023 में जब नुसरत इस्राइल में फंस गई थी तब उन्होंने पीएम से उन्हें वहां से निकालने की गुहार लगाई थी। अभिनेत्री ने अब हाल ही में पीएम मोदी से मुलाकात की। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'यह बहुत ही दिलचस्प रहा। मैं हाल ही में उनसे दिल्ली में मिली। आपको बता नहीं सकती कि ये कैसा अनुभव था। हमने उन्हें मंच पर देखा है, स्क्रीन पर देखा है और भाषण देते हुए देखा है। मैं जब उनसे मिली तो यह बहुत ही सहज रहा। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं उनसे मिली और उन्हें धन्यवाद कहा। वह हमारे लिए प्रेरणा हैं। मैंने उनका समिट भी देखा है। हम कहां और कौन से नंबर पर थे और कौन से नंबर पर आ गए हैं और हमें वह कहां ले जाना चाहते हैं। उनका विजन बहुत इंस्पायर करने वाला है।'

आदर्श ने शनाया कपूर की तारीफ की

साझा किया तू या मैं में काम करने का अनुभव

आदर्श गौरव और शनाया कपूर जल्द ही तू या मैं फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। ऐसे में आदर्श गौरव ने शनाया कपूर की खूब तारीफ की है। हाल ही में तू या मैं फिल्म का एलान हुआ तो दोनों को एक वीडियो में साथ में देखा गया था। बिजॉय नांबियार की फिल्म तू या मैं रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। एलान के बाद से फिल्म चर्चा में है।

हाल ही में आदर्श गौरव ने शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा वह बहुत सहज और शांत हैं। हम इस बात पर मजाक कर रहे थे कि पानी कितना गर्म लग रहा है, हालांकि हम शूटिंग के दौरान कांप रहे थे। शूटिंग के दौरान चुनौतीपूर्ण माहौल के बीच दोनों के बीच का रिश्ता काफी अच्छा और सहयोगात्मक था।

शनाया के साथ काम करना चाहेंगे आदर्श गौरव

आदर्श के मुताबिक उनके लिए कोई भी सीनियर या जूनियर नहीं है। मैंने उनके साथ सिर्फ तभी काम किया जब फिल्म का ऐलान हुआ। मैंने उनके साथ वीडियो शूट में काम किया, और यह अच्छा अनुभव था। उनके साथ काम करना अच्छा रहा। उनके साथ काम करने के लिए मैं उत्साहित हूं। आदर्श की बातों से लगता है कि सुर्खियों में आने के बाद शनाया लोगों पर अच्छा प्रभाव डाल रही हैं।

फिल्म के बारे में

आपको बता दें कि तू या मैं फिल्म बॉलीवुड की हिंदी फिल्म है। इसका निर्देशन बिजॉय नांबियार कर रहे हैं। फिल्म में शनाया कपूर और आदर्श गौरव हैं। ये फिल्म साल 2026 में वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी। फिल्म की कहानी सोशल मीडिया के लिए कंटेट क्रिएट करने वालों पर आधारित है। वह मुंबई के आस-पास के इलाके में जाते हैं लेकिन वहां फंस जाते हैं।

शनाया कपूर के पास हैं कई प्रोजेक्ट

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर इन दिनों आंखों की गुस्ताखियां में काम कर रही हैं। वह जल्द ही स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आने वाली हैं। यही नहीं शनाया कपूर साउथ की फिल्मों में भी नजर आएंगी। वह मोहनलाल की फिल्म वृषभ से जुड़ी हैं।

प्रियंका चाहर ने अंकित गुप्ता के साथ ब्रेकअप पर की बात

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में नियारा इंडिया के लिए रैंप वॉक किया। इस इवेंट में वह बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखीं, उन्होंने एक शानदार ब्लैक ड्रेस पहनी थी। फैशन में हुए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि उनके अनुसार, चाहे रिश्तों की बात हो या फैशन की, विकास करना हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विकास करना हमेशा अच्छा होता है, बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। बदलाव के लिए आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए, निश्चित रूप से बदलाव अच्छी बात है, चाहे रिश्तों में बदलाव हो या फैशन में बदलाव हो। अभिनेता अंकित गुप्ता के साथ उनके ब्रेकअप की खबरों के बीच उनका यह बयान आया है। अटकलबाजी को और हवा देते हुए, अंकित ने हाल ही में शो तेरे हो जाएं हम से बाहर निकलने की घोषणा की। इस शो में वह मुख्य भूमिका में हैं। प्रियंका और अंकित पहली बार शो उड़ारियां में साथ नजर आए थे और प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे। बाद में ये दोनों लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 16 में एक साथ दिखाई दिए, जहां वह अभूतपूर्व परिस्थितियों में एक-दूसरे का समर्थन करते नजर आए। शो से बाहर निकलने के बाद, उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। इंस्टाग्राम पर प्रियंका और अंकित द्वारा एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद उनके ब्रेकअप की अटकलें शुरू हो गईं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए प्रियंका ने बातचीत में अंकित के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बताया था, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे थे। प्रियंका ने कहा था, मुझे लगता है कि हम बहुत सच्चे हैं। मुझे लगता है कि यही एक खासियत है, जिसकी वजह से हम एक-दूसरे से जुड़े हैं। हम बहुत सामान्य हैं। हमें दिखावा करना नहीं आता, शायद यही बात हमें जोड़े रखती है। प्रियंका ने कहा, हम दोनों में कोई सेलिब्रिटी वाइब नहीं है, हम दोनों में ऐसा नहीं है कि हम बहुत सामान्य हैं और यही हमें जोड़े रखता है। यही कुछ ऐसा है जो हमें उन लोगों से जोड़े रखता है जो हमसे प्यार करते हैं।

सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात में पाया गया, निकला मानसिक रोगी

अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी निकला है। पुलिस के अनुसार धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है और उसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज निकाला है।

पुलिस ने बताया कि वडोदरा के वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को वर्ली में परिवहन विभाग के नंबर पर धमकी भेजी गई, जिसमें अज्ञात शख्स ने अभिनेता को जान से मारने के साथ ही उनकी कार को भी बम से उड़ाने की बात कही थी। अभिनेता को धमकी मिलने के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और अभिनेता के गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

मुझे गर्व है कि मैं वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं: ईशा मालवीय

फिल्म के साथ टेलीविजन और म्यूजिक वीडियो के लिए काम करने वाली अभिनेत्री ईशा मालवीय हर भूमिका को जुनून के साथ निभाती हैं। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि स्क्रीन पर कोई भी किरदार निभाने में उन्हें खुशी मिलती है। ईशा ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह वर्सेटाइल अभिनेत्री हैं। इस बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें काम के दौरान क्या मुश्किल लगता है, खुद से बिल्कुल अलग किरदार निभाना या अभिनेत्री से मिलता-जुलता किरदार निभाना, ईशा ने बताया, मुझे काम से एक अलग तरह की खुशी मिलती है और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है। मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं एक वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं, जो कोई भी भूमिका निभा सकती है। मालवीय ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, किसी भी किरदार को निभाते समय मेरे मन में कभी दूसरे विचार नहीं आए। मैं बस काम पर फोकस करती हूं। 21 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में उनसे बेहतर काम की अपेक्षाएं की जाती है। हालांकि, यह उनके लिए अच्छा है और वह इससे दबाव महसूस नहीं करती हैं। .उन्होंने कहा, मैं काम को लेकर खुद पर प्रेशर नहीं लेती क्योंकि मेरा मानना है कि हम सभी को खुश नहीं कर सकते। इसलिए दूसरों के सामने कुछ साबित करने के लिए काम करना मेरा तरीका नहीं है। मैं अपने लिए काम करती हूं। मेरे लिए, एक स्पष्ट लक्ष्य होना बहुत जरूरी है। इसके बिना, कोई दिशा नहीं है। मैं हमेशा ध्यान में रखती हूं कि मैं क्या हासिल करना चाहती हूं, चाहे वह अगले 30 दिनों में हो, 30 महीनों में या फिर 30 सालों में। यही स्पष्टता मुझे आगे बढ़ने में मदद करती है। ईशा ने साल 2021 में टेलीविजन शो उड़ारियां से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उनके किरदार का नाम जैस्मीन रहता है।

अर्जुन कपूर को है सिनेमा के प्रति अद्भुत ज्ञान

वे फिल्ममेकर बनना चाहते थे

हम सभी जानते हैं कि हमें यदि किसी चीज़ के प्रति रूचि है तो हम उसके प्रति और जानकारी इकठ्ठा करने लगते हैं कुछ ऐसा ही हाल अर्जुन कपूर का, सिनेमा के प्रति उनकी रुचि ने उन्हें सिनेमा के और करीब कर दिया, सिनेमा के प्रति उनके नॉलेज ने सिनेमा प्रेमियों को चौका दिया है, और यही रिएक्शन इस समय इंटरनेट पर गूंज रहा है, जब लोगों ने एक ऐसे अर्जुन कपूर को देखा जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी एक सच्चा फिल्मी दीवाना, एक फिल्म नर्ड, जो पॉइंट ब्रेक और तेजाब का ज़िक्र एक ही सांस में कर सकता है, वो भी जुनून और पैनी समझदारी के साथ।

हाल ही में वायरल हो रही एक खुली बातचीत में अर्जुन कपूर ने वही किया जो वो बखूबी करते हैं फिल्मी बातों में दिल लगा दिया और पूरी तरह छा गए। ज़्यादातर लोगों को वो टू स्टेट्स, कॉमिक फिल्म मुबारकान, लेटेस्ट सिंघम के विलेन और अंडररेटेड रत्न *संदीप और पिंकी फरार जैसे रोल्स के लिए जानते हैं। लेकिन इस बार अर्जुन ने अपने अंदर के लेयर्स हटाए और उस फिल्ममेकर को सामने लाया जो हमेशा से उनके भीतर मौजूद था। पता चला कि अर्जुन का सपना कभी सिर्फ एक स्टार बनने का नहीं था, बल्कि वो फिल्में बनाना चाहते थे।

उन्होंने बताया कि जब उनके पिता रूप की रानी चोरो का राजा बना रहे थे, तब ही उनके भीतर ये चिंगारी जली। सिनेमा का जादू ही मुझे आकर्षित करता है, उन्होंने कहा। हर चीज़ में लॉजिक होना ज़रूरी नहीं यकीन ही उस भ्रम को बेचता है। मुझे कोरियन फिल्में और यूरोपियन सिनेमा बहुत पसंद है। मैं फिल्ममेकर बनना चाहता था। समय की सबसे महंगी फिल्म थी। मैं मंत्रमुग्ध था और फिल्मों की खुशी मेरे साथ रह गई। मैं हमेशा फिल्म के बनने की प्रक्रिया जानना चाहता हूं और उसी में मुझे असली खुशी मिलती है। अर्जुन फिलहाल द डे ऑफ़ द जैकल देख रहे हैं जिसमें एडी रेडमेन हैं। उन्होंने टॉप गन सीरीज़ पर भी अपनी राय दी। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कौनसी पसंद है, तो उन्होंने कहा, टोनी स्कॉट की फिल्म ओजी है। मुझे उनकी फिल्में बहुत पसंद हैं। फिर डेविड फिन्चर आए हमारे जीवन में, सेवन और फाइट क्लब जैसी फिल्मों के साथ। लेकिन जो बात सबसे ज़्यादा दिल को छू गई, वो थी उनका भारतीय क्रिएटर्स को दिया गया प्यार और सम्मान। आर बल्कि * और संजय लीला भंसाली से लेकर द फ़ैमिली मेन और पंचायत के मेकर्स तक, अर्जुन ने उस देसी सिनेमा को सराहा जो दिल से बनता है और अक्सर नज़रअंदाज़ हो जाता है। उन्होंने आजकल के ट्रेलर्स की भी आलोचना की जो बहुत कुछ पहले ही बता देते हैं.

साभार एजेंसी

आईपीएल 2025

मयंक यादव ने की लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि तेज गेंदबाज मयंक यादव टीम में वापसी कर चुके हैं। उम्मीद है कि वह शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेलते नजर आएंगे। एलएसजी ने मयंक की वापसी की जानकारी एक खास वीडियो के जरिए अपने सोशल मीडिया पर दी, और कैप्शन में लिखा – मयंक यादव लौट आए हैं। मयंक को पीठ में चोट लगी थी, जिसकी वजह से वह बाहर थे। इस सीजन की शुरुआत में उनकी वापसी लगभग तय थी, लेकिन अचानक पैर की उंगली में उन्हें फिर से चोट लग गई। इस चोट में इंफेक्शन हो गया और उनकी वापसी और टल गई। मयंक पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर टीम इंडिया में शामिल हुए थे। इसके बाद वह पूरे घरेलू सीजन से बाहर रहे और बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इलाज और ट्रेनिंग करते रहे। एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर पहले ही मयंक की वापसी को लेकर उत्साहित थे। उन्होंने कहा था, मयंक अब दौड़ने और गेंदबाजी करने लगे हैं, जो कि भारतीय क्रिकेट और आईपीएल दोनों के लिए बहुत अच्छी बात है। मैंने एनसीए में उनकी गेंदबाजी का वीडियो देखा, जिसमें वह लगभग 90 से 95 प्रतिशत फिट नजर आ रहे थे। पिछले सीजन में मयंक ने अपनी तेज रफ्तार और विकेट लेने की क्षमता से सबको चौंका दिया था। वह लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटा से तेज गेंद फेंक रहे थे। उन्होंने एलएसजी के लिए सिर्फ चार मैच खेले थे, लेकिन फिर भी उन्हें बड़े खिलाड़ियों के साथ रिटेन किया गया था। एलएसजी की गेंदबाजी इस सीजन की शुरुआत से ही कई चोटों की वजह से कमजोर रही है। मयंक, मोहसिन खान, आवेश खान और आकाशदीप सभी शुरू में चोटिल थे। ऐसे में टीम ने अनुभवी शार्दुल ठाकुर को शामिल किया, जो टीम के लिए फायदेमंद साबित हुए। बाद में आवेश और आकाश दीप भी टीम से जुड़ गए और उन्होंने क्रमश पांच और तीन मैच खेले। इन मुश्किल हालात के बावजूद एलएसजी ने अब तक सात में से चार मैच जीतकर अंक तालिका में पांचवां स्थान बना रखा है। उनका अगला मुकाबला शनिवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स से होगा।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में इस स्थान पर खेले जाएंगे क्रिकेट के मैच, आईसीसी ने कर दिया एलान

दुबई, एजेंसी। क्रिकेट प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा। यह शहर ओलंपिक खेलों के मुख्य शहर लॉस एंजिल्स से 48 किलोमीटर दूर है। क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। इसी कड़ी में आईसीसी ने एक बड़ा एलान किया है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के दौरान जिस स्थान पर मुकाबले खेले जाएंगे, आईसीसी ने उसका एलान कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार देर रात को यह घोषणा की कि दक्षिण कैलिफोर्निया का पोमोना शहर ओलंपिक खेलों के दौरान क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

46 साल की उम्र में पिता बने जहीर खान, पत्नी सागरिका ने बेटे को दिया जन्म, साझा की पहली तस्वीर

मुंबई, एजेंसी। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान और उनकी पत्नी सागरिका घटगे ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। दोनों ने बेटे का नाम फतेहसिंह खान रखा है। दंपति ने बुधवार को एक संयुक्त पोस्ट साझा किया और इसकी पुष्टि की। इस कपल ने जो तस्वीरें साझा की हैं उसमें जहीर खान को बेटे को गोद में उठाए हुए देखा जा सकता है, जबकि सागरिका जहीर के कंधों पर हाथ रखी हुई हैं। एक और फोटो में जहीर बेटे का हाथ थामे हुए देखे जा सकते हैं। ग्रे-स्केल तस्वीर को साझा करते हुए इस कपल ने लिखा, आपके प्यार, कृतज्ञता और ऊपर वाले के आशीर्वाद से हम अपने बेटे फतेहसिंह खान का इस दुनिया में स्वागत करते हैं। इसके बाद यह पोस्ट बधाई संदेशों से भर गया। अंगद बेदी ने लिखा, वाहेगुरु। हरभजन सिंह ने लिखा, आप दोनों को बधाई। वाहेगुरु मेहर करे। प्रज्ञा कपूर ने लिखा, बधाई हो। वहीं, सारा तेंदुलकर ने लिखा, सबसे अच्छी खबर।

जानसेन ने जाल बिछाया, चहल ने चली चाल, खेल कर गए अर्शदीप...

ऐसे लिखी गई पंजाब की महाविजय की पटकथा

मुल्लांपुर, एजेंसी। महाराजा यादविन्द्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मौका था आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के मैच नंबर 31 का. आमने-सामने थीं पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइटराइडर्स. क्या गजब का रोमांच देखने को मिला, गेंदबाज इस मुकाबले में पूरी तरह हावी रहे. इस मुकाबले में पंजाब किंग्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और 111 रनों पर ऑलआउट हो गई. यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि पंजाब की टीम अपने कोटे के 20 ओवर्स भी नहीं खेल पाई और 15.3 ओवर्स में पवेलियन लौट गई. इस स्कोर के बाद लग रहा था कि कोलकाता की टीम इस मुकाबले को बेहद आसानी से जीत लेगी. लेकिन फिर जो कुछ इस मुकाबले में देखने को मिला, वह इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया. क्योंकि पंजाब की टीम आईपीएल इतिहास में वो टीम बन गई, जिसने इतना कम स्कोर डिफेंड किया. अब आपको बताते हैं कि कैसे पंजाब की गेंदबाजी यूनिट कोलकाता नाइटराइडर्स पर टूट पड़ी.

जानसेन ने जाल बिछाया

इस मुकाबले में पंजाब के लंबे कद के साउथ अफ्रीकी गेंदबाज मार्को जानसेन ने अपनी टीम को सबसे सफलता दिलाई. जानसेन ने ओपनिंग ओवर किया और इसकी आखिरी गेंद पर सुनील नरेन (5) को चलता कर दिया. जो पंजाब किंग्स की मुकाबले में सबसे बड़ी सफलता रही. फिर टीम को दूसरी सफलता आईपीएल डेब्यू कर रहे जेवियर बैरेट ने दिलाई. बैरेट ने डिकॉक (2)को आउट किया. चहल के इस मारक स्पेल के बीच वेंकटेश अय्यर को ग्लेन मैक्सवेल ने 7 रनों पर आउट किया था. जो कोलकाता के लिए पांचवां झटका रहा. अय्यर के आउट होने पर कोलकाता की टीम का स्कोर 74/5 हो गया.

इसके बाद चहल का जादू एक बार फिर चला. चहल ने 12वें ओवर की तीसरी और चौथी गेंद पर क्रमशः रिंकू सिंह (2) को स्टम्प आउट करवाकर और रमनदीप (0) को कैच आउट करवाकर मैच पंजाब की ओर मोड़ दिया. रमनदीप तो पहली ही गेंद पर आउट हुए. रमनदीप के आउट होते ही कोलकाता का स्कोर 76/7 हो गया.

चहल के बाद जानसेन और अर्शदीप ने किया अंत में खेला

76 रन पर सात विकेट गंवाकर सारी उम्मीदें कोलकाता की टीम की आंद्रे रसेल और राणा पर आ टिकी थीं. लेकिन 13वां ओवर लेकर आए जानसेन ने हर्षित राणा को बोल्ड कर कोलकाता को आठवां झटका दिया. इस तरह कोलकाता की टीम बैठफुट पर आ गई. इससे ठीक अगले 14वें ओवर में आंद्रे रसेल ने चहल को कूटकर रख दिया. यह चहल का स्पेल का आखिरी ओवर था जहां, 16 रन आए. लेकिन फिर आया अर्शदीप का वो मैजिकल ओवर (15वां) जहां वैभव अरोड़ा आखिरी गेंद पर विकेटकीपर जोस इंग्लिश के हाथों कैच आउट हो गए. खास बात यह रही कि यह ओवर मेडन रहा. इसके बाद मार्को जानसेन ने 15वें ओवर की पहली ही गेंद पर रसेल को आउट कर कोलकाता के जबड़े से जीत छीन ली.

पंजाब के खिलाफ हार के लिए मैं जिम्मेदार: रहाणे

मुल्लांपुर, एजेंसी। रहाणे के आउट होते ही केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने आखिरी आठ विकेट 33 रन के अंदर गंवा दिए। रहाणे ने खराब बल्लेबाजी पर भी हार का ठीकरा फोड़ा। वहीं, पोंटिंग ने इसे अपनी कोचिंग में हासिल की अब तक सबसे बेहतरीन जीत बताया है।

आईपीएल 2025 में मंगलवार को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। इस लो स्कोरिंग मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में 111 रन बनाए थे। जवाब में कोलकाता की टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। केकेआर की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की जिम्मेदारी खुद पर ली है। वहीं, पंजाब के कोच रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि इस मुकाबले से पहले युजवेंद्र चहल को फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा था। उन्हें चोट लगी थी, लेकिन इसके बावजूद वह खेले। चहल प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। पंजाब ने आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

कप्तान रहाणे ने ली हार की जिम्मेदारी: रहाणे ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उनकी टीम ने बहुत खराब बल्लेबाजी की। उन्होंने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं, मैंने गलत शॉट खेला था। रहाणे युजवेंद्र चहल की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हुए, लेकिन मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ रिव्यू नहीं लेने का उनका फैसला महंगा साबित हुआ। रिप्ले में गेंद ऑफ स्टंप से बाहर निकलती दिख रही थी। रहाणे ने कहा कि वह पूरी तरह पक्का नहीं थे कि गेंद विकेट के बाहर निकलेगी। उन्होंने कहा, वह गेंद विकेट को मिस करती, लेकिन सब कुछ वहीं से शुरू हुआ। उस समय कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था।

आईपीएल 2025:

धनश्री से तलाक के बाद पहली बार प्लेयर ऑफ द मैच बने युजवेंद्र चहल

● तोड़ा लसिथ मलिंगा का रिकॉर्ड ● प्रीति जिंटा ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 31वें मुकाबले में पंजाब किंग्स की टीम 15.3 ओवर में 111 रन पर सिमट गई और इसके बाद ऐसा लगा कि केकेआर इस मैच को आसानी से जीत लेगी। हालांकि ऐसा नहीं हो पाया और 112 रन के टारगेट का पीछा करते हुए अजिंक्य रहाणे की टीम 95 रन पर ऑलआउट हो गई और पंजाब को 16 रन से जीत मिली। पंजाब की इस जीत में श्रेयस अय्यर के गेंदबाजों का योगदान रहा जिन्होंने 111 रन के स्कोर को डिफेंड कर लिया। पंजाब के सभी गेंदबाजों ने इस मैच में विकेट लिया, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावी युजवेंद्र चहल रहे जिन्होंने अपनी टीम के लिए बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए। चहल लंबे समय के बाद लय में नजर आए जिसके लिए वो जाने जाते हैं। वहीं धनश्री से तलाक के बाद वो पहली बार प्लेयर ऑफ द मैच बने। मैच खत्म होने की टीम की ऑनर प्रीति जिंटा ने उन्हें बधाई दी।

तलाक के बाद पहली बार चहल बने प्लेयर ऑफ द मैच

युजवेंद्र का तलाक धनश्री के साथ आईपीएल 2025 के ठीक पहले हुआ था। इसके बाद पंजाब के लिए इस सीजन में खेले पहले 5 मैचों में उनकी गेंदबाजी में वो धार नजर नहीं आई, लेकिन कोलकाता के खिलाफ चहल अपने पुराने अंदाज में चहकते दिखे जिसके लिए वो जाने जाते हैं और उनकी धारदार गेंदबाजी के दम पर प्लेयर ऑफ द मैच बने।

युजवेंद्र चहल का प्रदर्शन

केकेआर के खिलाफ चहल ने 4 ओवर में 28 रन देकर 4 विकेट लिए और उन्होंने इस दौरान कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह को अपना शिकार बनाया। चहल ने इन चार विकेट के दम पर केकेआर को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। चहल के अलावा पंजाब के लिए इस मैच में मार्को यानसेन ने 3 विकेट जबकि जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह और ग्लेन मैक्सवेल ने एक-एक विकेट लिए।

लसिथ मलिंगा से आगे निकले चहल

चहल ने केकेआर के खिलाफ 4 विकेट झटके और वो आईपीएल में सबसे ज्यादा 4 विकेट हॉल लेने वाले बॉलर बन गए। चहल ने लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने ये कमाल 7 बार किया था। चहल अब पहले नंबर पर सुनील नरेन के साथ आ गए जिन्होंने ऐसा इस लीग में 8 बार किया है।

गोल्फ सनसनी रॉरी मैकइलरॉय

माता-पिता के अथक प्रयास और समर्पण से बना विश्व विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी आयरलैंड के गोल्फ सनसनी रॉरी मैकइलरॉय ने 89वां मास्टर्स टूर्नामेंट जीतकर आखिरकार अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा कर लिया। उन्होंने प्लेऑफ में इंग्लैंड के जस्टिन रोज को हराकर ये शानदार जीत अपने नाम की। लेकिन इस सफलता के पीछे संघर्षों की कहानी जुड़ी है जिसमें मैकइलरॉय को सफल बनाने में उनके माता-पिता के अथक प्रयास और समर्पण शामिल है।

पिता सप्ताह में 100 घंटे काम करते थे, मां नाइट शिफ्ट करती थी: मैकइलरॉय के गोल्फिंग सपनों को पूरा करने के लिए उनके माता-पिता रोजी और गेरी ने कड़ी महनत की है। रोजी और गेरी सप्ताह में 100 घंटे काम करते थे ताकि बेटे को गोल्फर बना सकें। मैकइलरॉय के पिता स्थानीय खेल क्लब में शौचालय और स्नानागार साफ करने से लेकर हॉलीवुड गोल्फ क्लब में बारटेंडर के रूप में काम करते थे। उनकी मां रोजी दिन में बेटे की देखभाल के बाद रात में 3एम फैक्ट्री में काम करती थी।

गोल्फ में कैसे जागा इंट्रस्ट: 4 मई 1989 को उत्तरी आयरलैंड के काउंटी डाउन के हॉलीवुड में जन्में मैकइलरॉय का गोल्फ में रुझान उनके पिता गेरी की वजह से पैदा हुआ जो खुद भी एक गोल्फर थे। मैकइलरॉय 3 साल की उम्र में प्लास्टिक क्लब्स के लिए खेलते थे और वह 37 यार्ड ड्राइव के साथ पहली बार चर्चा में आए थे। इसके बाद मकलरॉय का रुझान गोल्फ में पैदा हुआ और उन्होंने इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने का सोचा और इस सपने को पूरा किया।

पेशेवर गोल्फर बनने के बाद माता-पिता के लिए खरीदा घर: मैकइलरॉय के पेशेवर गोल्फर बनने के बाद उन्होंने अपने माता-पिता के लिए 2009 में एक घर खरीदा और कहा, मेरे माता-पिता ने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसका मोल कभी नहीं चुका सकता, लेकिन कम से कम वे जानते हैं कि उन्हें कभी भी एक और दिन काम नहीं करना पड़ेगा। मैं उनकी देखभाल के लिए कुछ भी करूंगा।

मैकइलरॉय की उपलब्धियां : वह आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग में पूर्व विश्व नंबर एक हैं और अपने करियर के दौरान उस पद पर 100 से अधिक सप्ताह बिता चुके हैं।

वह पांच बार के प्रमुख चैंपियन हैं जिन्होंने 2011 यू.एस. ओपन, 2012 और 2014 पीजीए चैम्पियनशिप, 2014 ओपन चैम्पियनशिप और 2025 मास्टर्स टूर्नामेंट जीता है।

वह आधुनिक करियर ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले छह पुरुष गोल्फरों में से एक और ऐसा करने वाले एकमात्र यूरोपीय हैं। वह 2007 में 17 साल की उम्र में वर्ल्ड एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचे थे। उन्होंने 2009 में यूरोपीय दौरे पर और 2010 में पीजीए दौरे पर अपनी पहली जीत हासिल की।

सुनील नारायण और एनरिक नॉर्टजे का बल्ला जांच में नहीं हुआ पास

मुल्लांपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में सुनील नारायण और एनरिक नाटर्जे का बल्ला जांच में फेल रहा। आईपीएल के 31वें मुकाबले में मंगलवार को रिजर्व अंपायर सैय्यद खालिद ने कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी शुरु होने पर सलामी बल्लेबाज नारायण का बल्ला जांचा गया। जांच के दौरान बल्ले की चौड़ाई को एक गेज के बीच से गुजारा गया। उनका बल्ला सबसे मोटा हिस्सा गेज को पार करने में विफल रहा। इस दौरान खालिद ने नारायण के साथ खड़ा रघुवंशी का बल्ला भी गौर से देखा। रघुवंशी का बल्ला इस जांच में पास रहा। पहली पारी के दौरान तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लेने वाले नारायण ने अपनी पारी में चार गेंदों में पांच रन बनाए। वहीं रघुवंशी केकेआर की ओर से 28 गेंदों में 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। केकेआर की ओर से नॉटर्जे अंतिम बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे लेकिन वह जिस बल्ले के साथ मैदान में उतरे थे उसे वापिस भेज दिया गया क्योंकि टीवी कॉमेंटेटर्स के अनुसार अंपायर्स मोहित कृष्णदास और साईदर्शन कुमार की जांच में उनका बल्ला फेल हो गया। यह घटना 16वें ओवर में हुई, इसके बाद सब्सिट्यूट रहमानउल्लाह गुरबाज नॉटर्जे के लिए अतिरिक्त बल्ले लेकर आएं। हालांकि वह इस बल्ले से एक भी गेंद नहीं खेल पाये स्ट्राइक पर खड़े आंद्रे रसल अगली ही गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। उल्लेखनीय है कि नियमों के अनुसार किसी भी बल्ले की चौड़ाई 10.79 सेमी, मोटाई 6.7 सेमी, किनारे की चौड़ाई चार सेमी तथा लंबाई 96.4 सेमी से अधिक नहीं होनी चाहिए।

चैंपियंस लीग: एस्टन विला से हारने के बावजूद पीएसजी सेमीफाइनल में पहुंचा

बर्मिंघम, एजेंसी। अचरफ हकीमी और नूनो मेंडेस के शुरुआती गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला के खिलाफ कुल 5-4 के स्कोर से चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। हालांकि दूसरे चरण में पीएसजी को एस्टन विला से 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। पहले चरण में पेरिस में 3-1 से हारने के बाद एस्टन विला ने वापसी की पूरी कोशिश की और शुरुआत में ही चार मिनट के अंदर दो कॉर्नर हासिल किए। लेकिन खेल खुलने के कारण पीएसजी को तेजी से जवाब देने का मौका मिल गया और इसका पूरा फायदा उठाया। यूईएफए की रिपोर्ट के अनुसार, नूनो मेंडेस ने शानदार पास देकर ब्रैडली बारकोला को आगे बढ़ाया, जिनका क्रॉस गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने रोका, लेकिन गेंद वापस हकीमी के पास आ गई। हकीमी ने बिना गलती किए गेंद को गोल में डाल दिया। इसके बाद जियानलुइगी डोनारुम्मा ने पाउ टोरेस के स्ट्राइक को शानदार तरीके से रोका, फिर जब नूनो मेंडेस ने एक पोस्ट के माध्यम से एक और शानदार काउंटर अटैक पूरा किया, तो उन्होंने फिर से स्कोर किया। ब्रेक से 11 मिनट पहले, यूरी टाईलेमैंस का एक घूमता हुआ शॉट विलियम पाको के टच से गोल में चला गया। फिर कप्तान जॉन मैकगिन को एक डिफ्लेक्शन का फायदा मिला, जब उनका दूर से मारा गया शॉट डोनारुम्मा के ऊपर से गोल में चला गया।

कप्तान जॉन मैकगिन को एक डिफ्लेक्शन का फायदा मिला जब उनका दूर से मारा गया शॉट डोनारुम्मा के ऊपर से गोल में चला गया। उसके कुछ ही देर बाद, मार्कस रैशफोर्ड के पेनल्टी एरिया के किनारे से मारे गए शॉट के लिए भी डोनारुम्मा पूरे तरह से तैयार थे।

इटली के इस खिलाड़ी के लिए कुछ करना मुश्किल था जब रैशफोर्ड की शानदार चाल के बाद एजरी कोंसा ने विला के लिए तीसरा गोल दागा। इसके बाद टिएलमैन्स प्रीमियर लीग क्लब को कुल स्कोर में बराबरी पर ला सकते थे, लेकिन डोनारुम्मा ने एक शानदार बचाव करते हुए उनके जोरदार हेडर को रोक दिया। अंत के दस मिनटों में मार्को असेंसियो का शॉट भी डोनारूम्मा ने अपने पैरों से रोक लिया। आखिरी क्षणों में पाचो ने इयान मास्टन के गोल की तरफ जा रहे शॉट को रोककर टीम को बचा लिया।

आखिरकार लुईस एनरिक की टीम ने दबाव में धैर्य बनाए रखा और चैंपियंस लीग में विला के यादगार पहले प्रदर्शन को समाप्त कर दिया। मैच के बाद पीएसजी के कोच लुईस एनरिक ने कहा, मैं इस मैच को लंबे समय तक नहीं भूल पाऊंगा।

इस प्रतियोगिता में बहुत कुछ संभालना होता है और बाहर जाकर खेलना हमेशा मुश्किल होता है। हमने शुरुआत में ही दो गोल कर दिए, लेकिन फिर कुछ गलतियां की, जिनका खामियाजा भुगतना पड़ा। जब तीन मिनट में दो गोल खा जाते हैं, तो वापसी मुश्किल हो जाती है। लेकिन ऐसी परिस्थितियां हमें मजबूत बनाती हैं।

अजमेर दरगाह में LSG के खिलाड़ियों ने टेका माथा, आईपीएल में कामयाबी की दुआ मांगी

अजमेर । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में हिस्सा ले रही लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) टीम के खिलाड़ी अजमेर शरीफ पहुंचे और सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती रहमतुल्लाह अलेह की दरगाह में हाजिरी दी। इस दौरान कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच टीम के सदस्यों ने ख्वाजा साहब की मजार पर चादर और फूल पेश कर अकीदत का इहार किया। क्रिकेटरों ने दरगाह परिसर में मन्नत का धागा बांधा और सिर झुकाकर दुआ मांगी। दरगाह में एलएसजी खिलाड़ियों की मौजूदगी से क्रिकेट प्रेमियों और ज़ायरीनों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। लोग अपने मोबाइल फोन से खिलाड़ियों के साथ तस्वीरें खींचते नजर आए। एलएसजी टीम ने दरगाह के निजाम गेट से प्रवेश किया और बुलंद दरवाजा होते हुए जन्नती दरवाजा पार कर पायती गेट से होते हुए ख्वाजा साहब के आस्ताना शरीफ पहुंचे। यहां सभी खिलाड़ियों टीम की कामयाबी की दुआ मांगी। दरगाह के खादिम सैय्यद इमरान चिश्ती ने टीम के प्रमुख खिलाड़ी जहीर खान को जियारत कराई, जबकि सैय्यद सलमान चिश्ती उर्फ मुन्ना मियां ने आवेश खान समेत अन्य खिलाड़ियों को दरगाह की रस्म अदा कराई। दरगाह के खादिम एसएफ अमीन चिश्ती ने बताया कि एलएसजी टीम ने आईपीएल 2025 में बेहतरीन प्रदर्शन और जीत के लिए विशेष दुआ मांगी है। इस मौके पर दरबार की परंपरागत दस्तारबंदी भी की गई और खिलाड़ियों को तबर्रुक (दरगाह की सौगात) भी भेंट किया गया।

गुड फ्राइडे पर देश ने याद किया यीशु मसीह का बलिदान

-पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दिया शांति और करुणा का संदेश

नई दिल्ली। आज देशभर में ईसाई समुदाय द्वारा गुड फ्राइडे श्रद्धा और संयम के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन प्रभु यीशु मसीह के बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है, जब उन्हें मानवता की भलाई के लिए सूली पर चढ़ाया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश के कई बड़े नेताओं ने करुणा, शांति और प्रेम का संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, "गुड फ्राइडे के दिन हम ईसा मसीह के बलिदान को याद करते हैं।

यह दिन हमें दयालुता, करुणा और हमेशा उदार हृदय रखने की प्रेरणा देता है। शांति और एकजुटता की भावना हमेशा बनी रहे।" बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लिखा, "प्रभु यीशु मसीह ने अपने जीवन और बलिदान के माध्यम से संपूर्ण मानवता को प्रेम, दया और करुणा का संदेश दिया। उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में कल्याण और शांति लाई जा सकती है।" कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी अपने संदेश में कहा, "दया, क्षमा, त्याग और सहानुभूति का सार हमारे कार्यों को प्रेरित करता रहे।

आइए हम मानवता, दया और शांति के मूल्यों को अपनाएं।" कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस अवसर पर लिखा, "यह गुड फ्राइडे हर दिल को करुणा, दया और प्रेम से भर दे तथा सभी के लिए शांति लेकर आए।" प्रियंका गांधी ने प्रभु यीशु के संदेश को याद करते हुए लिखा, "यह शुभ दिन हमें याद दिलाता है कि प्रेम, करुणा और क्षमा की शक्ति में कभी विश्वास न खोएं।"

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी गुड फ्राइडे पर श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, "गुड फ्राइडे के मौके पर आइए प्रभु यीशु के बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण करें तथा करुणा, मानवता एवं प्रेम के उनके संदेश को आत्मसात करें।"गुड फ्राइडे सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि इंसानियत, त्याग और सेवा का प्रतीक भी है, जो हमें बेहतर समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है।

नासिक दरगाह गिराने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, निगम की कार्रवाई पर अंतरिम रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के नासिक की दरगाह तोड़ने को लेकर अहम फैसला सुनाया है। नासिक में धार्मिक स्थल को नगर निगम ने ध्वस्त कर दिया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम के नोटिस पर अंतरिम रोक लगाई है। इसके अलावा याचिका को सूचीबद्ध न करने को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट से रिपोर्ट से मांगी है।

सूत्रों के अनुसार, कोर्ट की सुनवाई से कुछ घंटे पहले नगर निकाय के कर्मियों ने धार्मिक स्थल को गिरा दिया। नासिक में काठे गली में दरगाह के खिलाफ नगर निकाय की कार्रवाई कथित तौर पर 15 और 16 अप्रैल की मध्यरात्रि के दौरान की गई थी। SC में सुनवाई 16 अप्रैल दोपहर को हुई। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने तब उल्लेख किया था कि याचिका 7 अप्रैल को हाई कोर्ट में दायर की गई थी, लेकिन सुनवाई के लिए नहीं ली गई। इसके बाद पीठ ने आदेश दिया कि प्रतिवादी संख्या 1 नासिक नगर निगम द्वारा जारी एक अप्रैल, 2025 के नोटिस पर रोक रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 21 अप्रैल को तय की गई।

अदालत में धार्मिक स्थल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता नवीन पाहवा ने दावा किया कि कोशिश के बावजूद मामला हाई कोर्ट में सूचीबद्ध नहीं किया गया। पीठ ने 16 अप्रैल के अपने आदेश में कहा, 'हमने वरिष्ठ वकील के इस विशिष्ट बयान के मद्देनजर यह असाधारण कदम उठाया है कि मामले को सूचीबद्ध कराने के लिए हर दिन प्रयास किए गए। हम उनके बयान के बारे में अनिश्चित हैं कि हाई कोर्ट ने बार-बार अनुरोध के बावजूद मामले को सूचीबद्ध नहीं किया।

यह एक गंभीर बयान है और वकील को इस तरह के बयान के परिणाम की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।'

SC ने कहा-रिपोर्ट भेजो

इसके बाद टॉप अदालत ने बॉम्बे हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को याचिका की सूची के बारे में एक रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने नासिक नगर निगम से जवाब मांगा। वकील पाहवा ने दलील दी कि सात अप्रैल 2025 को उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की गई थी और वह आठ अप्रैल से मामले के सूचीबद्ध होने का इंतजार कर रहे थे।

यूनेस्को ने गीता और नाट्यशास्त्र को दी ऐतिहासिक जगह

नई दिल्ली। भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को एक नई वैश्विक पहचान मिली है। यूनेस्को (UNESCO) ने श्रीमद्भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को अपने प्रतिष्ठित Memory of the World Register (विश्व स्मृति रजिस्टर) में शामिल कर लिया है। इस ऐतिहासिक घोषणा पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सहित अनेक भारतीय नेताओं और विद्वानों ने प्रसन्नता और गर्व व्यक्त किया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उपलब्धि को भारत की "शाश्वत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता" बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा,"दुनिया भर में हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण! यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारे कालातीत ज्ञान और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है।गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है।"

यूनेस्को रजिस्टर में कुल 74 नई प्रविष्टियाँ

गुरुवार को यूनेस्को द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस वर्षMemory of the World Register में कुल 74 नई प्रविष्टियाँ जोड़ी गईं, जिससे अब कुल प्रविष्टियों की संख्या 570 हो गई है।इस सूची में ऐसे महत्वपूर्ण दस्तावेज़ और ग्रंथ शामिल होते हैं, जो मानव सभ्यता, संस्कृति और इतिहास की दृष्टि से अत्यंत मूल्यवान हैं।

यूनेस्को की महानिदेशक ऑड्रे अज़ोले ने इस अवसर पर कहा,"दस्तावेजी विरासत दुनिया की स्मृति का एक आवश्यक लेकिन नाजुक तत्व है।यही कारण है कि यूनेस्को वैश्विक संरक्षण प्रयासों में निवेश करता है, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करता है और इस रजिस्टर के माध्यम से मानव इतिहास के व्यापक धागों को संजोता है।"

भारत के लिए "ऐतिहासिक क्षण"

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस उपलब्धि को भारत के लिए "एक ऐतिहासिक क्षण" बताया।उन्होंने कहा कि गीता और नाट्यशास्त्र को इस रजिस्टर में शामिल किया जाना भारत की शाश्वत ज्ञान परंपरा और कलात्मक प्रतिभा का वैश्विक सम्मान है।

शेखावत ने कहा,"ये कालातीत रचनाएँ केवल साहित्यिक खजाने नहीं हैं, बल्कि वे दार्शनिक और सौंदर्यशास्त्रीय स्तंभ हैं, जिन्होंने भारत के दृष्टिकोण और सोचने, जीने, महसूस करने और अभिव्यक्त करने के तरीकों को आकार दिया है।अब भारत के कुल 14 दस्तावेज़ इस अंतरराष्ट्रीय सूची में शामिल हो चुके हैं।"

दस्तावेजों में विविधता और वैश्विक महत्व

इस वर्ष की सूची में वैज्ञानिक दस्तावेजों से लेकर ऐतिहासिक महिला नेताओं, दासता की स्मृति, और मानवाधिकारों से संबंधित अभिलेख भी शामिल हैं।कुछ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संग्रहों में स्विट्जरलैंड में जिनेवा कन्वेंशन (1864-1949) और उनके प्रोटोकॉल (1977-2005), संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, और नामीबिया के विंडहोक घोषणापत्र (1991) शामिल हैं,

जो प्रेस स्वतंत्रता की दिशा में एक ऐतिहासिक दस्तावेज माना जाता है। श्रीमद्भगवद गीता, जो महाभारत का एक हिस्सा है, न केवल धार्मिक ग्रंथ है बल्कि एक गहन दार्शनिक संवाद है जो कर्म, धर्म और आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश डालता है।वहीं, भरत मुनि का नाट्यशास्त्रभारतीय रंगमंच, नृत्य और नाट्यकला का मूल स्तंभ माना जाता है।

यह ग्रंथ भारत की नाट्य परंपरा को शास्त्रीय रूप देता है और आज भी कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है।इस ऐतिहासिक मान्यता से भारत की सांस्कृतिक धरोहर को न केवल संरक्षित करने में सहायता मिलेगी, बल्कि दुनिया भर में इसके महत्व को भी नई ऊँचाई मिलेगी।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया 7 दिन का समय

-डिनोटिफिकेशन और नई नियुक्तियों पर रहेगी रोक

नई दिल्ली।वक्फ कानून में हाल में किए गए संशोधनों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को दूसरे दिन सुनवाई जारी रही। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की बेंच ने केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन की मोहलत दी है। सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया कि इस दौरान डिनोटिफिकेशन या नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। वहीं, अगली सुनवाई 5 मई को होगी। आज सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि यह मुद्दा ऐसा नहीं है कि कोई सेक्शन देखकर उस पर फैसला किया जाए। इसके लिए पूरे कानून और इतिहास को भी देखना होगा। कई लाख सुझावों पर गौर करके यह कानून पारित हुआ था। उन्होंने कहा कि यदि अदालत कोई आदेश जारी करती है तो उसका बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। इसके बाद सीजेआई ने कहा कि अदालत चाहती है कि कोई भी पक्ष प्रभावित न हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अगर आप 'वक्फ बाय यूजर' को लेकर भी कुछ कहना चाहते हैं, तो उसके लिए हमारा पक्ष सुने। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह तक वक्फ बोर्ड में कोई भी नियुक्ति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि क्या वह आश्वासन दे सकते हैं कि 1995 के वक्फ कानून के तहत रजिस्टर्ड वक्फ प्रॉपर्टी को डिनोटिफाई नहीं करेंगे? सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को इसका भी भरोसा दिलाया। अंतरिम आदेश में शीर्ष अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 5 मई तय करते हुए कहा कि सॉलिसिटर जनरल ने कहा है कि केंद्र सरकार सात दिन के भीतर जवाब दाखिल करना चाहती है। वह अदालत को आश्वासन देते हैं कि वक्फ कानून की संशोधित धारा 9 और 14 के तहत परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। अगली सुनवाई की तारीख तक, वक्फ, जिसमें पहले से पंजीकृत या अधिसूचना द्वारा घोषित वक्फ शामिल हैं, को न तो डिनोटिफाई किया जाएगा और न ही कलेक्टर द्वारा इसमें कोई बदलाव किया जाएगा। हम इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हैं।

वक्फ कानून पर भाजपा का जनजागरण: मुस्लिम समाज से सीधे संवाद की रणनीति

-अल्पसंख्यक मोर्चा की योजना: 5 जून तक लाखों मुस्लिमों से संपर्क का लक्ष्य

-भाजपा नेताओं ने कहा कांग्रेस ने मुस्लिम समाज को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया

जयपुर। राजधानी में भारतीय जनता पार्टी ने वक्फ बोर्ड के नए कानून को लेकर मुस्लिम समाज में जागरूकता फैलाने के लिए एक व्यापक जनसंपर्क अभियान की शुरुआत की है। इस पहल के तहत भाजपा 'वक्फ सुधार जन जागरण अभियान' चला रही है, जिसका उद्देश्य मुस्लिम समुदाय को इस कानून के लाभों से अवगत कराना और विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रमों को दूर करना है। पार्टी इसे अल्पसंख्यकों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बता रही है। राजस्थान में इस अभियान की शुरुआत के साथ ही भाजपा ने अपने अल्पसंख्यक मोर्चे को इस काम की ज़िम्मेदारी सौंपी है।इसके लिए कार्यकर्ताओं को अपडेट किया जाएगा, लेकिन मोर्चे के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह मुस्लिम इलाकों में इसका प्रचार प्रसार कैसे करें, क्योंकि ध्रुवीकरण की राजनीति के आरोपों में घिरी भाजपा के सामने इस राह में कई चुनौतियां हैं।

भाजपा वक्फ सुधार जन जागरण अभियान की राजस्थान में शुरुआत हो गई। भाजपा ने पार्टी कार्यालय में बुधवार को इस मुद्दे पर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की। इसमें अभियान के राष्ट्रीय संयोजक और प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, सीएम भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ सहित बड़े नेता मौजूद रहे। इसी दिन शाम को आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रदेश प्रभारी अग्रवाल ने मुस्लिम समाज के लोगों से संवाद कार्यक्रम भी किया। मुस्लिम समाज में संपर्क बनाने के लिए भाजपा 20 अप्रैल से 5 जून तक सीधे उनके मोहल्लों में जाएगी। पहले जिला स्तर पर कार्यशाला होगी। इसके बाद मंडल स्तर की कार्यशाला होगी।

मुस्लिम समाज के कल्याण में खर्च होगी राशि: इन कार्यशालाओं में भाजपा मुस्लिम समुदाय को वक्फ बोर्ड के नए कानून से होने वाले फायदे बताएगी। साथ ही विपक्ष की ओर से फैलाई जा रही भ्रांतियों को भी दूर किया जाएगा। कार्यकर्ताओं को यह भी अपडेट किया जाएगा कि मोदी सरकार ने अल्पसंख्यक वर्ग के लिए अब तक क्या-क्या काम किए हैं, ताकि वे फील्ड में जाकर लोगों को अवगत करा सके। उन्हें यह भी बताया जाएगा कि वक्फ बोर्ड से वर्तमान में 166 करोड़ की आय हो रही है, नया कानून बनने से यह आय 1 लाख करोड़ तक पहुंच सकेगी। इस राशि को मुस्लिम समाज के कल्याण में खर्च किया जाएगा। कार्यशाला में कार्यकर्ताओं को अपडेट कर उन्हें सीधे मुस्लिम बहुल इलाकों में भेजा जाएगा, जहां वे छोटी छोटी सभाएं कर मुस्लिम समुदाय के सामने अपनी बात रखेंगे। राजनीति के जानकारों का कहना है कि भाजपा पहले से ही ध्रुवीकरण की राजनीति के आरोप झेल रही है। ऐसे में पार्टी की कोशिश है कि मुस्लिम समाज के आर्थिक उत्थान के साथ पार्टी पर लगे ध्रुवीकरण के आरोपों को भी खत्म करवाया जाए।

हालांकि भाजपा नेताओं के सामने भी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में कार्यक्रम करना चुनौती से कम नहीं है। कांग्रेस ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक माना: वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यशाला में कहा कि नया कानून उस मुस्लिम वर्ग के लिए है, जिसे कांग्रेस नेताओं ने 65 साल तक केवल वोट बैंक माना। उनकी बेहतरी के लिए कोई कार्य नहीं किया। कांग्रेस के राज में मुस्लिम सिर्फ मोची, पेंटर, दर्जी, बैंड बाजा बजाने वाला और पंचर निकालने वाला बनकर रह गया। कांग्रेस मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक मानती है। अब उसी वर्ग को खड़ा होना होगा। उनका सहयोग रहेगा, तब ही इस बिल का उद्देश्य पूरा होगा। भाजपा का मानना है

कि नया वक्फ कानून मुस्लिम समाज के उन तबकों को मुख्यधारा से जोड़ने का माध्यम बनेगा, जिन्हें अब तक केवल वोट बैंक की नजर से देखा गया। अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने जानकारी दी कि पांच जून तक प्रदेश भर में लाखों मुस्लिम नागरिकों से सीधा संपर्क किया जाएगा। उनका कहना है कि कांग्रेस इस कानून को लेकर मुस्लिम समाज में ग़लतफहमियां फैला रही है, जिन्हें भाजपा कार्यकर्ता ज़मीनी स्तर पर जाकर दूर करेंगे। यह अभियान न केवल जागरूकता बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि भाजपा को मुस्लिम समुदाय के बीच विश्वसनीयता बनाने का भी मौका देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एलन मस्क की फोन पर हुई बातचीत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क के साथ फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग को बढ़ाने के बारे में चर्चा की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, "एलन मस्क से बात की और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान उठे विषय भी शामिल थे। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बातचीत की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

टेस्ला देश में मैन्युफैक्चरिंग बेस स्थापित करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है यह बातचीत मस्क की कंपनियों – विशेष रूप से टेस्ला और स्टारलिंक – की भारतीय बाजार में बढ़ती दिलचस्पी के बीच हुई है। टेस्ला देश में मैन्युफैक्चरिंग बेस स्थापित करने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। वहीं मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने मार्च में भारत में स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं लाने के लिए मस्क की स्पेसएक्स के साथ एक समझौते की घोषणा की थी। टेलीकॉम टाइकून सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल ने भी स्पेसएक्स के साथ इसी तरह की साझेदारी की है। प्रधानमंत्री मोदी और मस्क दोनों ने इससे पहले इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के बारे में आशा व्यक्त की थी। प्रधानमंत्री मोदी और मस्क की इससे पहले फरवरी में पीएम मोदी की अमेरिका की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान मुलाकात हुई थी। दोनों ने इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग के बारे में आशा व्यक्त की थी। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने एलन मस्क के तीन बच्चों को किताबें भेंट कीं। उन्होंने उन्हें रवींद्रनाथ टैगोर की 'द क्रिसेंट मून', 'द ग्रेट आरके नारायण कलेक्शन' और पंडित विष्णु शर्मा की 'पंचतंत्र' किताब भेंट कीं। प्रधानमंत्री ने बाद में बच्चों की तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वे किताबें पढ़ते हुए दिखाई दे रहे थे

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,